बुधवार, 4 नवंबर 2026
कार्तिक, कृ.प., दशमी, विक्रमीय संवत् 2083
मूल्य Rs. 4, (कोलकाता Rs. 3)
वर्ष : 21, संख्या : 329, पृष्ठ-8
कोलकाता
RNI No. WBHIN/2005/16483
www.bharatmitranews.com

भारतमित्र

प्रथम प्रकाशन 1878

BHARATMITRA, KOLKATA, WEDNESDAY, 4 NOVEMBER 2026



ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया सन्यास पेज-8

विपक्षी दल '4जी', '3जी' और '2जी' पार्टियां हैं : शुभेंदु

परिवारवाद की राजनीति पर किया तीखा हमला

सिलीगुड़ी, नि.सं.। राज्य में भाजपा के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता मिटाओ अभियान के तहत सिलीगुड़ी में आयोजित एक बड़ी रैली में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विपक्षी खेमे पर जोरदार हमला बोला। विपक्ष में चल रही परिवारवादी राजनीति की कड़ी आलोचना करते हुए, उन्होंने 4जी, 3जी और 2जी शब्दों की एक नई राजनीतिक व्याख्या पेश की। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशभक्ति और उनके अद्वितीय नेतृत्व को रेखांकित किया, जबकि तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और व्यापक इंडिया गठबंधन पर तंज कसा।

रैली में मौजूद पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा, भ्रष्ट कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल असल में 4जी, 3जी और 2जी पार्टियां हैं। इसके विपरीत, हमारे नेता नरेंद्र मोदी का अपना कोई जी (परिवारवादी वंश) नहीं है।



उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में विस्तार से बताया कि 4जी चाचा नेहरू, उनकी बेटी इंदिरा गांधी, उनके बेटे राजीव गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी—जो परिवारवादी शासन की चार पीढ़ियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। 3जी दादा शेख अब्दुल्ला, उनके बेटे फारूक अब्दुल्ला और पोते उमर अब्दुल्ला। 2जी ऐसे तो बहुत सारे उदाहरण हैं! जैसे कि मुफ्ती मोहम्मद सईद और उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती, या फिर इस राज्य में बुआ और भतीजा ।

तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बुआ और भतीजा परिवारवादी शासन चला रहे हैं, जो उन्हें भी पूरी तरह से एक 2जी पार्टी बनाता है। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और निस्वार्थ देशभक्ति की प्रशंसा करते हुए, विपक्ष के नेता ने कहा, नरेंद्र मोदी का अपना कोई निजी स्वार्थ नहीं है। उनके लिए राष्ट्र हमेशा सर्वोपरि है। अगर मोदीजी न होते, तो सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला लागू नहीं हो पाता, और अयोध्या—जो राम लला की जन्मभूमि है। वहां भव्य मंदिर का निर्माण और प्राण-प्रतिष्ठा समारोह कभी संभव नहीं हो पाता। राज्य सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए और सत्ताधारी दल के नेताओं को चेतावनी देते हुए, शुभेंदु अधिकारी ने कहा, आखिर एक 'भतीजे' को लेकर इतना शोर-शराबा क्यों है? अभी वह समय नहीं आया है। जब सही समय आएगा, तो हर एक हिसाब चुकता किया जाएगा।

प्रशासन द्वारा की गई जांच और कानूनी कार्रवाई का उल्लेख करते हुए, उन्होंने सबको याद दिलाया, जिस तरह शेख शाहजहां कानून की पकड़ से नहीं बच सका, उसी तरह 'पुष्पा' फिल्म के संदर्भ में जिस 'जहांगीर' की बात हो रही है, वह भी जवाबदेही से नहीं बच पाएगा। राज्य में सत्ता में आने के बाद से, हमें तीन बार जनता की 'परीक्षा' का सामना करना पड़ा है, और हर बार हमने साबित किया है कि लोगों का भरोसा हमारे साथ है। अराजकता को खत्म करने और लोकतंत्र को बहाल करने की यह लड़ाई जारी रहेगी।

बकाया डीए मामले पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

14 दिसंबर को कोलकाता में होगी अहम बैठक



नयी दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में महंगाई भत्ते (डीए) को लेकर कन्फेडरेशन ऑफ स्टेट गवर्नमेंट एम्प्लॉइज द्वारा दायर याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान यह कहा गया कि अदालत द्वारा नियुक्त उच्च स्तरीय समिति की अगली बैठक पर सुप्रीम कोर्ट नजर रखेगा।

न्यायाधीश पी.के. मिश्रा और जस्टिस चंद्रशेखर की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने कहा कि उसकी नजर 14 दिसंबर को होने वाली बैठक पर ही टिकी है। न्यायाधीश पी.के. मिश्रा के नेतृत्व वाली खंडपीठ ने बताया कि पूर्व न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली समिति 14 दिसंबर को कोलकाता में बैठक करेगी। उस बैठक के परिणाम देखने के बाद 29 जनवरी को अगली सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं के वकीलों ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने अभी भी बकाया डीए का एक बड़ा हिस्सा नहीं चुकाया है और ग्रांट-इन-एड कर्मचारियों के लिए कुछ भी नहीं दिया गया है। राज्य सरकार के कर्मचारियों के एक वर्ग ने भी शिकायत की कि उन्हें शीर्ष अदालत के निर्देशों के अनुसार डीए नहीं मिल रहा है। अदालत ने इस संबंध में जानकारी भी मांगी। मंगलवार (3 नवंबर) को अदालत के सामने तीसरी स्टेटस रिपोर्ट पेश की गई। याचिकाकताओं के एक वर्ग का दावा है कि अभी तक उस समिति ने उनके साथ बैठक नहीं की है। 14 दिसंबर को कोलकाता में यह बैठक होगी। आगामी 14 तारीख को समिति बैठक करेगी और जनवरी में फिर से इस मामले पर सुनवाई होगी। वर्ष 2017 से राज्य सरकार के कर्मचारियों का डी ए से वंचित होने का मामला चल रहा है। स्टेट एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (एसएटीर) से होते हुए कोलकाता हाई कोर्ट और फिर यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। इस साल 5 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (एआईसीपीआई) के अनुसार डीए का भुगतान किया जाए।

त्रिपुरा में बीएसएफ जवानों पर तस्करों का हमला

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा के आशाबाड़ी बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) के पास सोमवार को कुछ तस्कर अवैध सामान ले जाने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान बीएसएफ की 49वीं बटालियन के जवानों ने उनका पीछा किया और एक संदिग्ध को पकड़ लिया। उसकी पहचान हिफजुर रहमान के रूप में हुई है।

इसी दौरान स्हीमपुर कांतामुरा बॉर्डर आउटपोस्ट से बीएसएफ के 3 जवान गाड़ी से बॉक्सानगर जा रहे थे। रास्ते में तस्करों के एक समूह ने उन्हें घेरकर हमला कर दिया। हमलावरों ने जवानों के हथियार छीनने की कोशिश की और उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की। पुलिस ने मामले में 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। सीएम माणिक साहा ने घटना की निंदा की और आरोपियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने का निर्देश दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

चाय श्रमिकों को राहत, राशन 50 किलो करने का ऐलान

चाय बागानों को खोलने की जिम्मेदारी अर्जुन सिंह को सौंपी

कोलकाता/सिलीगुड़ी, नि.सं.। काली पूजा से पहले उत्तर बंगाल के चाय श्रमिकों के लिए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राहत पैकेज की घोषणा की है। इसके तहत चाय बागानों के श्रमिकों को मिलने वाले राशन में चावल की मात्रा 35 किलो से बढ़ाकर 50 किलो की जाएगी। इसके अलावा प्रत्येक श्रमिक को एकमुश्त पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सिलीगुड़ी स्थित प्रशासनिक भवन उत्तरकन्या में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान यह घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आम राशन कार्डधारकों के लिए भी प्रति माह चावल की मात्रा बढ़ाकर 50 किलो करने पर विचार कर रही है। इस संबंध में योजना को अंतिम रूप दिए जाने के बाद



इसे लागू किया जाएगा । बैठक में उत्तर बंगाल के विकास कार्यों की समीक्षा के साथ लंबे समय से बंद पड़े चाय बागानों को दोबारा खोलने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। मुख्यमंत्री ने श्रम मंत्री अर्जुन सिंह को बंद चाय बागानों को खुलवाने की जिम्मेदारी सौंपते हुए हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि सभी बंद बागानों को खोलने का काम उन्हें करना होगा। हर काम मुख्यमंत्री अकेले नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री ने बंद चाय बागानों के श्रमिकों से अपने जॉब कार्ड तैयार रखने को कहा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही काम शुरू कराया जाएगा। साथ ही सभी श्रमिकों को प्रधानमंत्री चाय श्रमिक योजना के दायरे में शामिल करने की बात भी कही।

कामतापुरी भाषा का मामला

उत्तरकन्या में हुई बैठक के दौरान क्षेत्रीय मांगें भी उठीं। कामतापुरी भाषा संगठन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की पुरानी मांग दोहराई। हालांकि, इस मांग पर सरकार की ओर से किसी ठोस निर्णय या आश्वासन की जानकारी सामने नहीं आई।

अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि कोई भी संगठन प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों पर भी एक तय समय-सीमा होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों को भी अपनी बात रखने का मौका मिल सके।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि आप हमेशा के लिए किसी जगह पर कब्जा नहीं कर सकते। वहां किसान, पत्रकार, मजदूर और दूसरे प्रदर्शनकारी कहां जाएंगे? सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच दिल्ली में अक्टूबर में हुए सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, लोगों की हिरासत, निगरानी (सर्विलांस), प्रदर्शन स्थलों और कारोबारियों को हुए नुकसान से जुड़े मामले शामिल हैं।

प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकार



सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। त्योहारों के सीजन में दुकानें बंद रहीं और बिक्री घट गई। उन्होंने दावा किया कि कारोबारियों को करीब 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अगर त्योहारों के सीजन में बिक्री नहीं होगी तो व्यापारियों और उनसे जुड़े लोगों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कोर्ट से अगले दो महीने तक किसी भी तरह के प्रदर्शन या धरने पर रोक लगाने की मांग की।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली पुलिस की ओर से कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए सिर्फ एक दिन की अनुमति दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 17 दिन तक वहां बैठे रहे। मेहता ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति संसद की ओर मार्च भी किया। संसद देश की संप्रभुता का प्रतीक है। बिना अनुमति संसद या सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि जो संगठन बंद या प्रदर्शन का आह्वान करता है, उसे उसके परिणामों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

सुनवाई में सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने करीब 7 हजार लोगों को हिरासत में लिए जाने का मुद्दा उठाया । सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि प्रदर्शनकारियों पर किस तरह की निगरानी की जा रही है और इसके लिए कौन-सा कानूनी प्रावधान है। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान केवल सीसीटीवी से निगरानी की गई। व्यापारिक संगठनों की ओर से मुकुल रोहतगी, संजय पोद्दार और सचिन पुरी पेश हुए। उन्होंने प्रदर्शन के कारण कारोबारियों को हुए नुकसान का मुद्दा उठाया।

जम्मू-कश्मीर में 111 सिम कार्ड से खड़ा किया टेरर फंडिंग का नेटवर्क

श्रीनगर, एजेंसी । जम्मू में 111 सिम कार्ड की बरामदगी से शुरू हुई जांच टेरर फंडिंग के बड़े नेटवर्क तक पहुंच गई है। जाली दस्तावेज के आधार पर खुलवाए गए 60 से अधिक बैंक खातों के जरिये 70 करोड़ रुपये से ज्यादा का लेनदेन किया गया। इन खातों का इस्तेमाल रकम को एक से दूसरे खातों में भेजने के लिए किया जाता था। एक दिन में 300 तक ट्रांजेक्शन का पता चला है। इस नेटवर्क का जुड़ाव दुबई, बांग्लादेश के साथ ही

60 बैंक खातों से 70 करोड़ का खेल



पाकिस्तान से भी मिल रहा है। ऑनलाइन गेमिंग, हवाला और सट्टेबाजी से जुड़े इस नेटवर्क के जरिये आतंकी गतिविधियों के लिए धन जुटाने और उसे आगे पहुंचाने की अहम कड़ी जांच टीम के हाथ लगी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजीपी जम्मू जोन की निगरानी में एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है। विदेश भाग चुके मुख्य आरोपी आकाश आनंद का पासपोर्ट रद्द कराने की तैयारी की जा रही है। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी हो चुका है।

मामला एक अगस्त को सामने आया। जम्मू सिटी पुलिस टीम ने विवेकानंद चौक के पास कार सवार दो लोगों से 111 मोबाइल सिम कार्ड बरामद कर पूछताछ शुरू की। पुलिस ने सिम कार्ड के इस्तेमाल और उनसे जुड़े नेटवर्क की पड़ताल शुरू की।

जांच में सामने आया कि सिम का इस्तेमाल ऑनलाइन गेमिंग, हवाला और सट्टेबाजी से जुड़ी गतिविधियों में किया जा रहा है। आगे की जांच में जाली दस्तावेज पर बैंक खाते खुलवाने और उनके माध्यम से बड़े पैमाने पर वित्तीय

वायु सेना को दी जाए रेस कोर्स की जमीन

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्व एयर चीफ मार्शल एपी सिंह अपने पद से 31 अक्टूबर 2026 को रिटायर हो गए। लेकिन आईएएफ चीफ के पद से रिटायर होने से कुछ दिन पहले उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखा। पूर्व एयर चीफ मार्शल ने नई दिल्ली के रेस कोर्स एयर फोर्स स्टेशन पर भारतीय वायु सेना के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को सील किए जाने को लेकर चिंता जताई। समाचार एजेंसी पीटीआई ने मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से बताया कि एयर चीफ मार्शल ने पद पर रहते हुए 26 अक्टूबर को रक्षा मंत्री को पत्र लिखा।

पूर्व एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने रक्षा मंत्री से आग्रह किया कि 40 एकड़ से अधिक जमीन का यह

पूर्व आईएएफ चीफ की राजनाथ सिंह को चिट्ठी

हिस्सा वायु सेना के नियंत्रण में ही रहना चाहिए। एपी सिंह ने 31 अक्टूबर को अपने रिटायरमेंट से तीन दिन पहले, 29 अक्टूबर को राजनाथ सिंह के साथ हुई मुलाकात में भी यह मुद्दा उठाया था। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाले अधिकारियों द्वारा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को सील किए जाने के बाद, उन्होंने रक्षा मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की। इस घटना से रक्षा हलकों में चिंता पैदा हो गई है।इस परिसर में गोल्फ कोर्स, स्विमिंग पूल और अन्य सुविधाएं मौजूद हैं। इसे सील किए जाने के कारण, रिटायर हो रहे एयर चीफ मार्शल के लिए आयोजित होने वाला विदाई समारोह भी रद करना पड़ा।

बात पते की... श्याम जगोता



पति-पत्नी का झगड़ा गर्भपात का आधार नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में एक महिला ने 6 महीने से अधिक की गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति मांगी है। महिला ने अपने पति और ससुराल वालों पर बुरा बर्ताव करने का आरोप लगाया है। वहीं महिला के पति ने इस याचिका का विरोध करते हुए कहा कि अजन्मे बच्चे पर उसका भी अधिकार है। इस मामले में कोर्ट ने कहा, 'सिर्फ वैवाहिक कलह गर्भपात का आधार नहीं हो सकती। इससे समाज किस दिशा में जाएगा।'

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि बलात्कार या यौन उत्पीड़न के मामलों में, या फिर भ्रूण

गर्भ में पल रहे बच्चे पर पिता का भी अधिकार



में कोई समस्या होने पर गर्भपात की अनुमति दी जा सकती है, लेकिन यह मामला बिल्कुल अलग है। कोर्ट ने सवाल किया कि अगर कोई महिला सिर्फ इसलिए गर्भपात का फैसला ले ले कि उसके पति और ससुराल वालों ने उसके साथ बुरा बर्ताव किया है या उसे प्रताड़ित किया है, तो समाज किस दिशा में जाएगा?

कोर्ट ने महिला को समझाते हुए कहा, 'पति-पत्नी के बीच एक-दूसरे के खिलाफ बातें होना आम बात है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस आधार पर गर्भावस्था को समाप्त कर दिया जाए।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह यौन उत्पीड़न का मामला नहीं है और न ही यह किसी अकेली महिला के गर्भवती होने का मामला है। अगर कोई पत्नी अपने पति और ससुराल वालों के साथ झगड़े के कारण गर्भपात कराना चाहे, तो समाज के तौर पर हम किस दिशा में जा रहे हैं... पिता के अधिकारों का क्या होगा?'

बेंच ने याचिकाकर्ता महिला से वर्चुअल माध्यम से बात की और कहा कि वह इस गर्भावस्था को आगे नहीं बढ़ाना चाहती और वह तलाक लेना चाहती है। वहीं, पति ने कहा कि बच्चे के जन्म के बाद वह उसकी जिम्मेदारी लेगा और उसकी देखभाल करेगा। उसने कोर्ट से अनुरोध किया कि गर्भपात की अनुमति न दी जाए।

प्रथम प्रकाशन 1878 भारतमित्र

दार्जिलिंग से सिलीगुड़ी तक विभिन्न परियोजनाओं को मिली मंजूरी

सिलीगुड़ी, (नि.सं.)। उत्तरकन्या में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार दोपहर आयोजित प्रशासनिक समीक्षा बैठक में उत्तर बंगाल के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

इन योजनाओं के तहत दार्जिलिंग की पहाड़ियों, तराई, डुआर्स और उत्तर बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य, परिवहन, खेल, पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास पर विशेष जोर दिया गया है।

बैठक में घोषणा की गई कि नौ दिसंबर 2027 को मुख्यमंत्री कलिम्पोंग मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही दार्जिलिंग, कर्सियांग, कलिम्पोंग, मिरिक और सिलीगुड़ी के सरकारी अस्पतालों की मरम्मत, आधुनिकीकरण और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को भी मंजूरी दी गई है। इससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।



इसके अलावा कर्सियांग से दार्जिलिंग तक 21 किलोमीटर लंबी रोपवे परियोजना को भी मंजूरी दी गई है। इस परियोजना से परिवहन का एक वैकल्पिक माध्यम विकसित होगा। साथ ही सड़क यातायात का दबाव कम होने और पर्यटकों की आवाजाही सुगम होने की उम्मीद है।

खेल के क्षेत्र में लेबोंग ग्राउंड को आधुनिक स्टेडियम के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। यहां खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे स्थानीय युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। वहीं, दार्जिलिंग के प्रसिद्ध महाकाल मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, विकास और रखरखाव के लिए 19 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी पर्यटन लॉजों की मरम्मत और आधुनिकीकरण के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में स्वीकृत इन परियोजनाओं से उत्तर बंगाल में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ पर्यटन, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई गई है।

बैठक में शामिल प्रतिनिधि ने इन विकास योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन पहलों से दार्जिलिंग की पहाड़ियों, तराई और डुआर्स क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा।

मल्टीप्लेक्स में बदबूदार पैटीज परोसने की शिकायत

दुर्गापुर। सिटी सेंटर स्थित एक मल्टीप्लेक्स सिनेमा हॉल में ग्राहक को कथित तौर पर सड़ी और दुर्गंधयुक्त पैटीज परोसे जाने की शिकायत के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। मामले की जांच के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग, दुर्गापुर नगर निगम और महकमा प्रशासन के अधिकारियों ने करंगपाड़ा स्थित पैटीज बनाने वाली फैक्ट्री में संयुक्त छापेमारी की। जांच के दौरान खाद्य पदार्थों के निर्माण और भंडारण में कई अनियमितताएं सामने आने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने संबंधित आउटलेट को अगले दिन से बंद रखने का आदेश दिया है।जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री की तलाशी के दौरान



फैक्ट्री पर प्रशासन की संयुक्त छापेमारी

संचालक पक्ष खाद्य सुरक्षा से संबंधित कई आवश्यक लाइसेंस और दस्तावेज अधिकारियों के सामने प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके अलावा, परिसर में स्वच्छता संबंधी नियमों का उल्लंघन और अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य सामग्री के भंडारण की खामियां भी पाई गईं। इन अनियमितताओं को लेकर अधिकारियों ने मौके पर ही जुमार्ना लगाया। बताया जाता है कि हाल ही में सिटी सेंटर के एक चर्चित मल्टीप्लेक्स में फिल्म देखने पहुंचे एक ग्राहक ने फूड काउंटर से पैटीज खरीदी थीं। खाने के दौरान तेज दुर्गंध महसूस होने पर उन्होंने तत्काल विरोध जताया और खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। इसके बाद ग्राहक ने पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग से शिकायत की।

इसी लिखित शिकायत के आधार पर प्रशासन ने जांच शुरू की और करंगपाड़ा स्थित फैक्ट्री तक पहुंचा। अधिकारियों की संयुक्त कार्रवाई के बाद संबंधित खाद्य इकाई और आउटलेट की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। अब आगे की जांच में यह स्पष्ट होगा कि ग्राहकों को परोसी गई खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का किस स्तर पर उल्लंघन किया गया था।

वीरेंद्र कृष्ण भद्र को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दी श्रद्धांजलि

कोलकाता, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रख्यात रेडियो प्रसारक, नाटककार और ह्यमहिषासुरमर्दिनीह्ल कार्यक्रम के अमर स्वर वीरेंद्र कृष्ण भद्र की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने मंगलवार सुबह अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक संदेश साझा कर उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि ख्यातनाम रेडियो प्रसारक, नाटककार और महिषासुरमर्दिनी के प्राणपुरुष वीरेंद्र कृष्ण भद्र की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

डीवीसी मेजिया थर्मल पावर स्टेशन में सतर्कता जागरुकता सप्ताह का समापन

मेजिया। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के मेजिया थर्मल पावर स्टेशन (एमटीपीएस) में आयोजित सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2026 का समापन 2 नवंबर को समारोहपूर्वक हुआ।

इस अवसर पर शक्ति भवन के सम्मेलन कक्ष में सेमिनार, पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस वर्ष सतर्कता जागरुकता सप्ताह की केंद्रीय विषयवस्तु ह्यसमृद्धि के लिए सत्यनिष्ठाह्ल रही।

समारोह के मुख्य वक्ता इस्कॉन दुर्गापुर के स्वामी प्रेमानंद चैतन्य दास ने ह्यसत्यनिष्ठाह्ल विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। रामायण और महाभारत



के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने सत्यनिष्ठा के वास्तविक अर्थ और जीवन में उसके महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि सत्यनिष्ठा केवल सच बोलने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने वादों को निभाना, पारदर्शिता बनाए रखना, जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करना, अपनी गलतियों को स्वीकार करना और किसी भी प्रकार के छिपे हुए स्वार्थ से दूर रहना भी इसका अभिन्न अंग है।

समारोह के दौरान सतर्कता जागरुकता सप्ताह के अंतर्गत आयोजित ऑनलाइन नारा लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। हिंदी, अंग्रेजी और बांग्ला–तीनों भाषाओं की श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (यांत्रिक अनुरक्षण) एवं परियोजना प्रमुख, महाप्रबंधक (परियोजना), महाप्रबंधक (ईंधन) सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

चिरेका में राष्ट्रव्यापी डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट कैम्पेन शुरू

चित्तरंजन। भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के अंतर्गत 'पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग' (डीओपीपीडब्लू) के अपने राष्ट्रव्यापी ह्यडिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डी एल सी) कैम्पेन 5.0ह्ल के तहत चिरेका में चित्तरंजन और डानकुनी में अभियान की शुरूआत हुई। रेलवे के सभी 4 सुविधा केंद्र और बैंकों के 3 सुविधा केंद्र पूरी तरह से सक्रिय रहा। इस कार्य में कर्मचारी पेंशनभोगियों की मदद के लिए सतर्क और सहयोगी रूप में कार्य किए। बुजुर्ग और कमजोर पेंशनभोगियों का विशेष ध्यान रखा गया। परिणामस्वरूप बीते सोमवार को



सीएलडब्लू और उसके परिसर में मौजूद बैंकों ने मिलकर कुल 230 डी एल सी जनरेट किए।

इससे पहले 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के पेंशनभोगियों की श्रेणी में दिनांक 24 अक्टूबर को चिरेका की टीम ने 86 वर्षीय एक पेंशनभोगी के आवास पर जाकर उनका 'डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र' (डी एल सी) जनरेट किया। टीम ने अगले चरण में 28 अक्टूबर को दो और वरिष्ठ पेंशनभोगियों के लिए उनके घर पर ही (डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र) बनाने की सुविधा उपलब्ध कराई है। एक महीने तक चलने वाला यह व्यापक अभियान 1 नवंबर से 30 नवंबर तक पूरे देश के 2,000 से अधिक शहरों और कस्बों में चलाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य पेंशनभोगियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना है, ताकि वे अपने घर पर सुरक्षित और आरामदायक तरीके से अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकें और उन्हें पेंशन मिलने में कोई रुकावट न आए।

सोनपुर बाजारी क्षेत्र को 5-स्टार रेटिंग पुरस्कार

राष्ट्रीय स्तर पर ओपनकास्ट खदानों में तीसरा स्थान



दुर्गापुर। ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के सोनपुर बाजारी क्षेत्र ने खनन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कोयला एवं लिग्नाइट खदानों की वार्षिक स्टार रेटिंग 2024-25 में सोनपुर बाजारी क्षेत्र को प्रतिष्ठित 5-स्टार रेटिंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसके साथ ही देश की सभी ओपनकास्ट कोयला खदानों के बीच इस क्षेत्र ने अखिल भारतीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

इस प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह का आयोजन 2 नवंबर को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की ओर से किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने सोनपुर बाजारी क्षेत्र को यह सम्मान प्रदान किया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर ईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डॉ. सतीश झा तथा सोनपुर बाजारी क्षेत्र के महाप्रबंधक शंभु कुमार झा ने क्षेत्र की ओर से पुरस्कार ग्रहण किया।

सतर्कता जागरुकता कार्यक्रम में विजेताओं को मिला पुरस्कार

बोकारो। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के बोकारो ताप विद्युत केंद्र में सतर्कता विभाग की ओर से 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित सतर्कता जागरुकता सप्ताहह्ल2026 का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। महाप्रबंधक (ओएंडएम) राजेश विश्वास की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान डीवीसी कर्मियों के लिए आयोजित निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी, उनके जीवनसाथियों के लिए निबंध लेखन तथा अंतरविद्यालयीय निबंध, भाषण और चित्रांकन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। महाप्रबंधक राजेश विश्वास, उप महाप्रबंधक अजय केश, सौविक धारा, अखिलेंदु सिंह, अभिजीत दुले एवं शिवली ने विजेताओं को सम्मानित किया।

कर्मचारियों की निबंध प्रतियोगिता में निशा कुमारी ने प्रथम, रजत सुब्रो दे ने द्वितीय और संतोष कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कर्मचारियों के जीवनसाथियों की श्रेणी में दीपा कुमारी, मधुश्री पात्रा और ज्योति लता क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहीं। उत्कृष्ट लेखन के लिए संपा माजी और श्वेता श्रीवास्तव को भी सम्मानित किया गया।

कुल्टी में छठ पूजा को लेकर चला सफाई अभियान



कुल्टी। कुल्टी के वार्ड नंबर 17 में भाजपा के पूर्व पार्षद ललन मेहरा के नेतृत्व में मगलवार को आस्था का पर्व छठ को लेकर सफाई अभियान चलाया गया। इस संबंध में भाजपा के पूर्व पार्षद ललन मेहरा ने बताया कि वार्ड नंबर 17 के रामनगर रिवर साइड, लाल बाजार, कालू पुकुर, हाजरापीठ, बोरो बांध, पत्थर खाद्य आदि क्षेत्र में आसनसोल नगर निगम के नियामतपुर बोरो कार्यालय के सहयोग से सफाई अभियान चलाया गया। भारी मशीन से रामनगर रिवर साइड जाने वाले रास्ते में एक छोटी पुलिया की अवस्था जर्जर हो गई थी जिसकी मरम्मत की गई। कच्चा रास्ता होने के कारण कई रास्तों की मरम्मत की गई। कुल्टी के अधिकतर लोग रामनगर रिवर साइड का इस्तेमाल करते हैं जिसका मुख्य कारण नजदीक होना है। रास्ते में बिजली की भी व्यवस्था की जा रही है। रास्ते के चारों ओर बिल्चिंग पाउडर का भी छिड़काव कराया जायेगा। इस अवसर पर भाजपा के अमित घोष, सुमन माजी, मिथुन दास, भोला प्रसाद, विक्की गुप्ता एवं अन्य लोग मौजूद थे।

विकास की ओर अग्रसर एसएमपी कोलकाता

कोलकाता । श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता (एसएमपी, कोलकाता) ने अप्रैल से अक्टूबर 2026 की अवधि के दौरान कुल 40.527 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) माल का संचालन किया, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 38.562 एमएमटी था। इस प्रकार, बंदरगाह ने कुल 5.10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता के अध्यक्ष, रथेंद्र रमन ने कहा कि इस वृद्धि में दोनों डॉक प्रणालियों का सकारात्मक योगदान रहा है। हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (एचडीसी) ने पिछले वर्ष की इसी अवधि के 28.259 एमएमटी की तुलना में 29.752 एमएमटी माल का संचालन करते हुए 5.28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वहीं, कोलकाता डॉक सिस्टम (केडीएस) ने 10.303 एमएमटी की तुलना में 10.775 एमएमटी माल का संचालन कर 4.58 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की।



कंटेनर संचालन में उल्लेखनीय प्रदर्शन

एसएमपी, कोलकाता ने कंटेनर यातायात के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। अप्रैल से अक्टूबर 2026 के दौरान बंदरगाह ने कुल 5,87,399 टीईयू कंटेनरों का संचालन किया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह संख्या 5,43,982 टीईयू थी।

इस प्रकार, कंटेनर यातायात में कुल 7.98 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। केडीएस ने 4,54,310 टीईयू कंटेनरों का संचालन करते हुए 7.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि एचडीसी ने 1,33,089 टीईयू कंटेनरों का संचालन कर पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 9.64 प्रतिशत की अधिक वृद्धि हासिल की। विशेष रूप से, अक्टूबर 2026 के दौरान केडीएस ने कंटेनर यातायात में 15.83 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। इस अवधि में 64,224 टीईयू कंटेनरों का संचालन किया गया ।

हल्दिया में नए माल का आगमन झ क्विक लाइम

हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स में पहली बार क्विक लाइम का आगमन हुआ।

पोत एमवी एशियन ऑनर दिनांक 1 नवंबर 2026 को संयुक्त अरब अमीरात के डिब्बा से 8,133 टन क्विक लाइम एवं हाइड्रेटेड लाइम की बोरियों के साथ हल्दिया पहुंचा।

सुप्रभात

4 नवंबर 2026, बुधवार, व वर्ष मन्मथ(2083) कार्तिक,कृ.प दशमी सूर्योदय5.17, सूर्यास्त 17.57

रेल समाचार

हावड़ा कटिहार एक्सप्रेस में लगेंगे एलएचबी कोच

कोलकाता। रेलवे ने हावड़ाझकटिहार एक्सप्रेस में एक बड़ा अपग्रेड करने की योजना बनाई है। इसके तहत, आईसीएफ रेक की जगह एलएचबी रेक लगाए जाएंगे। यह बदलाव हावड़ा से 7 नवंबर से और कटिहार से 8 नवंबर से लागू होगा। अत्याधुनिक लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) रेक का शामिल किया जाना, यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

एलएचबी कोच अपनी बेहतर सुरक्षा सुविधाओं, बेहतर प्रदर्शन और यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक होने के लिए जाने जाते हैं। इस अपग्रेड के जरिए रेलवे का लक्ष्य रेल यात्रा की सुरक्षा, आराम और कार्यक्षमता के मामले में नए मानक स्थापित करना है।

स्वच्छता के क्षेत्र में हावड़ा मंडल का नया कीर्तिमान

कोलकाता। स्वच्छता अभियान की भावना के अनुरूप, पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने अक्टूबर 2026 के दौरान इलेक्ट्रॉनिक कचरे के निस्तारण के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल की है। पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक गीतिका पाण्डेय के समग्र मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी नेतृत्व में मंडल ने 5 लाख के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 20.826 लाख की बिक्री राशि अर्जित की। इस प्रकार मंडल ने निर्धारित लक्ष्य का 4.17 गुना हासिल करते हुए लक्ष्य से 316.5 प्रतिशत अधिक की उपलब्धि दर्ज की, जो निर्धारित लक्ष्य से 15.826 लाख अधिक है। इस विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कुल 20.684 मीट्रिक टन अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक सामग्री को नीलामी के माध्यम से निस्तारित कर बेचा गया।इस सामूहिक प्रयास की सराहना करते हुए हावड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विशाल कपूर ने कहा कि विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ई-कचरा निस्तारण के मुख्य उद्देश्य को एक व्यापक अभियान का रूप दिया। इसके तहत वर्षों से जमा पुराने कबाड़ एवं अनुपयोगी सामग्रियों को हटाने का कार्य किया गया। इस सुनियोजित सफाई अभियान के दौरान अनुपयोगी घोषित डेस्कटॉप कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर, जेरॉक्स मशीन, मॉनिटर, कार्ड रीडर, एयर कंडीशनर, वाटर कूलर, यूपीएस तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक कबाड़ सहित विभिन्न प्रकार की सामग्रियों को सफलतापूर्वक हटाकर नीलाम किया गया।

सुरक्षा के क्षेत्र में पूर्व रेलवे की महत्वपूर्ण उपलब्धि

कोलकाता। परिचालन सुरक्षा एवं रेल पटरियों की विश्वसनीयता को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पूर्व रेलवे ने 31 अक्टूबर 2026 को बल्लालपुर यार्ड में क्रॉसओवर संख्या 56ए के खराब लेआउट का सफलतापूर्वक सुधार किया। ट्रैक के उन्नयन एवं दोषों के सुधार से संबंधित यह महत्वपूर्ण कार्य पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक गीतिका पाण्डेय के नेतृत्व तथा अपर महाप्रबंधक एवं प्रधान मुख्य इंजीनियर के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया।

यह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचागत उपलब्धि वित्तीय वर्ष 2026-2027 के दौरान टीम मालदा द्वारा सफलतापूर्वक किए गए पांचवें खराब लेआउट सुधार का प्रतीक है। इस कार्य को मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के निर्देशन में अत्यंत सटीकता एवं सुनियोजित तरीके से पूरा किया गया।

इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवराम मांझी ने कहा कि ट्रैक की ज्यामिति को बेहतर बनाने तथा यात्री एवं मालगाड़ियों के परिचालन में सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न करने के हमारे निरंतर प्रयासों में खराब एवं दोषपूर्ण लेआउट को समाप्त करना एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता है।

स्क्रैप बिक्री से दपूरे की कमाई हुई 400 करोड़

कोलकाता। साउथ ईस्टर्न रेलवे (दपूरे) ने अक्टूबर 2026 तक स्क्रैप बेचकर 403.86 करोड़ की कमाई की है। स्क्रैप निपटान (डिस्पोजल) से प्राप्त राशि के मामले में यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो दपूरे के लिए अब तक की सबसे तेज कामयाबी है। यह पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 55.37 फीसदी अधिक है और चालू वित्त वर्ष के 240.00 करोड़ के आनुपातिक लक्ष्य से 68.28 फीसदी ज्यादा है। दपूरे एकमात्र ऐसा जोनल रेलवे है जिसने चालू वित्त वर्ष के दौरान 400 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। यह स्क्रैप निपटान, राजस्व सृजन और स्वच्छता पहलों में इसके बेहतरीन प्रदर्शन को दशार्ता है।

इस उपलब्धि में अक्टूबर 2026 का बड़ा योगदान रहा, जब दपूरे ने 'स्वच्छता विशेष अभियान 6.0' के तहत तय किए गए 49 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले 90.43 करोड़ का स्क्रैप बेचा।

इस अभियान के दौरान किसी भी जोनल रेलवे द्वारा की गई यह सबसे अधिक बिक्री है। यह बेकार और अनुपयोगी सामग्री के व्यवस्थित निपटान, रेलवे परिसरों को साफ-सुथरा रखने और 'स्वच्छ भारत मिशन' के उद्देश्यों को पूरा करने के प्रति दपूरे की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

आज का राशिफल

मेष किसी के तुरंत बहुत ज्यादा फायदा कराने के वादों पर आकर पैसा न लगाएं।

वृषभ आज अपने बजट, बचत और छोटी अवधि की योजनाओं को दोबारा देखने का दिन है।

मिथुन पैसे खर्च करने का हो सकता है। खर्च करने से पहले सोचें कि क्या यह सचमुच जरूरी है।

कर्क मन में थोड़ी चिंता रह सकती है। घर-परिवार की जरूरतें आपके फैसलों को तय करेंगी।

सिंह आप पढ़ाई, अपने हुनर को बढ़ाने या सही योजना वाले काम में पैसा लगाने की सोच सकते हैं।

कन्या साझे के खर्चों, कर्ज और रुके हुए भुगतानों को बहुत ध्यान से जांचने की जरूरत है।

तुला खर्च करने की आदतों पैसों की प्राथमिकताओं पर दोबारा सोचने के लिए कह रहे हैं।

वृश्चिक अपने काम, सेहत, यात्रा और रोज की जिम्मेदारियों पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

धनु आपका मन मनोरंजन, पढ़ाई या यात्रा पर पैसे खर्च करने का हो सकता है।

मकर सोचना होगा कि अपनी आमदनी को बचत, घर के खर्चों और लंबे वादों में कैसे बांटना है।

कुंभ अपने खर्चों को दोबारा देखें। यदि कमाई का कोई नया जरिया दिख रहा है।

मीन बचत, कर्ज और लंबे समय के आर्थिक लक्ष्यों को दोबारा देखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

वार्ड परिसीमन के खिलाफ माकपा की याचिका पर शीघ्र सुनवाई नहीं

नगर निगम चुनाव की घोषणा में फिलहाल कोई बाधा नहीं

कोलकाता, (नि.सं.)। कोलकाता नगर निगम के वार्ड परिसीमन को चुनौती देने वाली माकपा की याचिका पर कलकत्ता हाई कोर्ट ने शीघ्र सुनवाई से इनकार कर दिया है। एकल पीठ से अंतरिम राहत नहीं मिलने के बाद माकपा ने सोमवार को हाई कोर्ट की खंडपीठ का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, न्यायमूर्ति अरिंदम मुखर्जी और न्यायमूर्ति अर्जुन राय मुखर्जी की खंडपीठ ने तत्काल सुनवाई की मांग स्वीकार नहीं की। अब फिलहाल कोलकाता नगर निगम चुनाव की घोषणा के रास्ते में कोई न्यायिक बाधा नहीं है।

राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद कोलकाता नगर निगम के वार्डों का पुनर्गठन किया गया है। इसके तहत वार्डों की संख्या 144 से बढ़ाकर 209 कर दी गई है। इस संबंध में



जारी अधिसूचना को चुनौती देते हुए कसबा निवासी माकपा नेता दीपु दास ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी।

याचिकाकर्ता का आरोप है कि वार्डों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण में तार्किक संतुलन नहीं रखा गया। वार्डों की आबादी, भौगोलिक स्थिति और प्रशासनिक सुविधा जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर समुचित विचार नहीं किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि किसी विशेष राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से वार्डों का पुनर्गठन किया गया है। साथ ही, वार्ड परिसीमन की सिफारिश करने के लिए नगर आयुक्त के अधिकारों की वैधता पर भी सवाल उठाया गया है।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य की एकल पीठ में हुई थी। याचिकाकर्ता ने वार्ड परिसीमन संबंधी अधिसूचना पर रोक लगाने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। एकल पीठ ने कहा कि वार्डों का प्रारूप प्रकाशित होने के समय याचिकाकर्ता ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई थी। अदालत ने गत 29 अक्टूबर को सभी पक्षों से हलफनामा मांगा था। मामले की अगली सुनवाई एक महीने बाद निर्धारित है।

एकल पीठ से अंतरिम राहत नहीं मिलने के बाद याचिकाकर्ता ने खंडपीठ में अपील की। उनके अधिवक्ता शमीम अहमद ने शीघ्र सुनवाई की मांग करते हुए दलील दी कि कोलकाता नगर निगम चुनाव की तारीखों की घोषणा कभी भी हो सकती है। चुनाव की घोषणा होने के बाद मामले की प्रासंगिकता समाप्त हो सकती है। इसलिए याचिका पर तत्काल सुनवाई जरूरी है।

हालांकि, खंडपीठ ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। अदालत का कहना था कि एकल पीठ में मामला पहले ही विचाराधीन है। ऐसी स्थिति में यदि चुनाव की घोषणा होती है, तो याचिकाकर्ता आवश्यकतानुसार अदालत का रुख कर सकते हैं। इसलिए फिलहाल मामले को पूजा अवकाशकालीन पीठ के समक्ष अत्यावश्यक सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की जरूरत नहीं है।

गड़बेता में तपन घोष को लेकर भाजपा और माकपा के बीच तनातनी

खड़गपुर, (नि.सं.)। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के गड़बेता में एक बार फिर राजनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। माकपा नेता तपन घोष को लेकर भाजपा और माकपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। भाजपा विधायक प्रदीप लोढ़ा ने आरोप लगाया है कि तपन घोष अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को साथ लेकर कथित तौर पर हार्माद वाहिनी बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रदीप लोढ़ा का दावा है कि लोकतांत्रिक तरीके से हार स्वीकार नहीं कर पाने के कारण तपन घोष गड़बेता पर कब्जा करने की बातें कर रहे हैं। भाजपा के अनुसार, अल्पसंख्यक बहुल गांवों में संगठन बनाने की गतिविधियों की जानकारी खुफिया विभाग को भी है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी तपन घोष को लेकर कड़ा बयान दिया है।

प्रदीप लोढ़ा के मुताबिक, वाममोर्चा शासन के दौरान मारे गए 25 भाजपा कार्यकर्ताओं के परिजनों ने मुख्यमंत्री से सवाल किया है कि उन घटनाओं के लिए जिम्मेदार बताए जाने वाले तपन घोष, सुकुर अली और सुशांत घोष अब तक खुलेआम क्यों घूम रहे



हैं। मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक मंच से कहा है कि तपन घोष को जेल में होना चाहिए।

गड़बेता में भाजपा का प्रभाव वर्ष 1989 से बढ़ना शुरू हुआ था। 1998 में तत्कालीन जिला अध्यक्ष रमाप्रसाद तिवारी के नेतृत्व में पार्टी ने गड़बेता, सानमुड़ा, धादिका और श्यामनगर की चार ग्राम पंचायतों पर जीत दर्ज की थी। बाद में रमाप्रसाद तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। उनका कहना है कि माकपा के अत्याचार के विरोध में भाजपा ने ही यहां संघर्ष शुरू किया था।

तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन में माकपा की राजनीतिक गतिविधियां भी सीमित हो गई थीं। पार्टी का अस्तित्व मुख्य रूप से गड़बेता के आंचलिक कार्यालय तक रह गया था और कई नेता दूसरे शहरों में चले गए थे। अब सत्ता परिवर्तन के बाद माकपा फिर सक्रिय होने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने भी आरोप लगाया है कि कंकाल कांड से जुड़े लोग इसका लाभ उठाना चाहते हैं।

गड़बेता छोटा आंगरिया नरसंहार का भी गवाह रहा है। उस घटना में गोलीबारी के बाद घरों में आग लगाकर लोगों की हत्या करने का आरोप लगा था। क्षेत्र में देसी तोप वॉक्सल के इस्तेमाल, घर जलाने, दुष्कर्म, हत्या और लूटपाट की घटनाएं भी हुई थीं। स्थानीय लोग इन घटनाओं के साथ तपन घोष का नाम जोड़ते रहे हैं। उस समय इलाके में तपन घोष और सुकुर अली का जबर्दस्त दबदबा हुआ करता था।

भाजपा का कहना है कि वह क्षेत्र में हिंसा के पुराने दिनों की वापसी नहीं चाहती। वहीं, माकपा ने आरोपों को राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश बताया है। पार्टी का दावा है कि तपन घोष के नेतृत्व में लोग फिर माकपा की ओर लौट रहे हैं, जिससे भाजपा घबराई हुई है। माकपा के पश्चिम मेदिनीपुर जिला सचिव विजय पाल ने कहा कि भाजपा लाल झंडे से डर रही है। मुख्यमंत्री को डराने-धमकाने के बजाय अपने वादे के अनुसार विकास कार्य करने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की चेतावनियों से माकपा की राजनीतिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी।

मंत्री ने किया मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों का लोकार्पण



कोलकाता, नि.सं। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में कोलकाता के मशहूर मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी अस्पताल ने मंगलवार को मील का पत्थर छू लिया जिसके तहत नई एवं अत्याधुनिक चिकित्सा मशीनों का लोकार्पण राज्य के पीडब्ल्यूडी मंत्री डॉ. अजय पोद्दार ने किया। समझा जाता है कि इससे क्षेत्र के मरीजों को उच्चस्तरीय चिकित्सा और बेहतर रोगी देखभाल की सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि पश्चिम बंगाल सरकार के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री डॉ. अजय कुमार पोद्दार के साथ कोलकाता की पूर्व डिप्टी मेयर श्रीमती मीना देवी पुरोहित भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थीं।

अस्पताल के मानद सचिव प्रह्लाद राय गोयनका ने कहा कि मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी पिछली एक सदी से जनसेवा और चिकित्सा के क्षेत्र में लगातार समर्पित भाव से कार्य कर रही है। इन अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों के जुड़ने से संस्थान की क्षमता में और अधिक विस्तार होगा, जिससे गरीब और जरूरतमंद मरीजों को आधुनिक जांच एवं उपचार का लाभ मिल सकेगा।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला महिला का शव

पश्चिम मेदिनीपुर, (नि.सं.)। मेदिनीपुर जिले के दांतन में मंगलवार सुबह रेलवे ट्रैक के किनारे एक महिला का शव मिलने से इलाके में चिंता का माहौल है। शव मनोहरपुर रेलवे गेट के पास दक्षिण पूर्व रेलवे की तीसरी लाइन के किनारे मिला।

स्थानीय लोगों ने बताया, मंगलवार सुबह मनोहरपुर ग्राम पंचायत क्षेत्र के बड़ी पुलिया के पास रेलवे ट्रैक पर एक महिला को पड़ा देखा गया। खबर फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। बाद में रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सूचना दी गई।

सूचना पाकर जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर जांच शुरू की। फिलहाल मृत महिला की पहचान नहीं हो पाई है। जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बांकुड़ा के पुलिस अधिकारी चालीस दिनों से बिना सूचना के ड्यूटी से गायब थे

कोलकाता, (नि.सं.)। बांकुड़ा में ट्रेन से कटकर एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत के मामले में नया मोड़ सामने आया है। जांच में पता चला है कि मृतक इंस्पेक्टर पिछले लगभग 40 दिनों से बिना किसी पूर्व सूचना के अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित थे। जिला पुलिस सूत्रों के अनुसार, पुलिस इंस्पेक्टर जयंत पाल शुक्रवार को हुई अपनी मौत से ठीक एक दिन पहले, गुरुवार को ही वापस ड्यूटी पर लौटे थे।

बांकुड़ा में डिस्ट्रिक्ट इंटेलिजेंस ब्रांच में तैनात जयंत पाल कथित तौर पर मानसिक तनाव से जूझ रहे थे। उनके सहकर्मियों ने बताया कि वे बेहद शांत स्वभाव के थे और अन्य अधिकारियों के साथ कम ही बातचीत करते थे।

सहकर्मियों ने यह भी याद किया कि पूर्व बर्धमान के कटवा पुलिस स्टेशन में अपनी पिछली पोस्टिंग के दौरान भी वे अक्सर बिना बताए अनुपस्थित रहा करते थे। विधानसभा चुनाव से लगभग



तीन महीने पहले जब उनकी तैनाती कटवा में थी, तब भी वे संवेदनशील चुनावी दौर में एक-दो सप्ताह के लिए ड्यूटी से गायब हो जाते थे। उनके सहयोगियों के मुताबिक, उनकी अनुपस्थिति में अक्सर ट्रैफिक इंस्पेक्टर को थाने का प्रभार संभालना पड़ता था।

पिछले हफ़्ते शुक्रवार शाम केथरडांगा रेलवे गेट के पास रेलवे ट्रैक से इंस्पेक्टर पाल का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया था। कथित तौर पर वे डाउन आरण्यक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए थे। पुलिस अभी तक यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि यह एक दुर्घटना थी या फिर आत्महत्या का मामला है। बांकुड़ा के पुलिस अधीक्षक पीवीजी सतीश ने बताया कि हमारे अधिकारी दुर्घटना और मानसिक तनाव सहित हर संभावित पहलू की जांच कर रहे हैं। उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के बयान भी दर्ज कर लिए गए हैं। जांचकर्ता संभावित निजी दुश्मनी के कोण को भी खंगाल रहे हैं।

इंस्पेक्टर पाल के परिवार वालों ने किसी भी तरह के राजनीतिक दबाव को उनके मानसिक तनाव का कारण मानने से इनकार किया है। कथित तौर पर स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेताओं से निकटता के कारण राज्य में राजनीतिक बदलावों के बाद उनका कटवा से तबादला कर दिया गया था।

जांचकर्ता जयंत पाल से जुड़ी एक पुरानी घटना की भी पड़ताल कर रहे हैं, जिसमें उन्हें गोली लगी थी। पिछले साल 20 फरवरी को, जब वे हुगली के चंडीतला पुलिस स्टेशन के प्रभारी इंस्पेक्टर थे, हावड़ा के घोषपारा इलाके में एक फ्यूल स्टेशन के पास उन्हें हाथ में गोली मार दी गई थी। कथित तौर पर इस गोलीबारी का तार एक विवाहेतर संबंध से जुड़ा था। जयंत पाल मूल रूप से पश्चिम बर्धमान के आसनसोल उत्तर थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। इस बीच, बांकुड़ा सम्मिलनी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुए पोस्टमार्टम की प्रारंभिक रिपोर्ट में किसी भी नशीले पदार्थ के सेवन के सबूत नहीं मिले हैं। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

बंगाल के युवा ने बनाया 30 सेकेंड में रक्तस्राव रोकने वाला पाउडर

सिंगापुर में मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

कोलकाता, (नि.सं.)। पूर्व बर्दवान जिले के खंडघोष स्थित बादुलिया गांव के युवा वैज्ञानिक साबिर हुसैन ने अपने अनोखे आविष्कार से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य और देश का नाम रोशन किया है। उनके द्वारा विकसित विशेष पाउडर स्टॉप ब्लीड महज 30 सेकंड में रक्तस्राव रोकने में सक्षम है। इस आविष्कार को 29 अक्टूबर 2026 सिंगापुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्लिंगशॉट 2026 प्रतियोगिता में बड़ी सफलता मिली है। इसी प्रतियोगिता में साबिर हुसैन को ग्रैंड विजेता घोषित किया गया था।

स्वास्थ्य एवं बायोमेडिकल



श्रेणी में साबिर के स्टार्टअप मिराक्यूलस ने शीर्ष स्थान हासिल करते हुए ग्रैंड विजेता का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही उनकी कंपनी को चार लाख सिंगापुर डॉलर की अनुदान राशि भी मिली है।

यह स्टार्टअप राउरकेला स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) के बायोटेक्नोलॉजी एवं मेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से संचालित हो रहा है। प्रोफेसर देवेंद्र वर्मा के मार्गदर्शन में इस विशेष पाउडर को विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य दुर्घटनाओं, चोट और आपातकालीन परिस्थितियों में तेजी से रक्तस्राव को नियंत्रित करना है। साबिर हुसैन के इस आविष्कार को इससे पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल चुकी है। करीब सात वर्ष पहले 2019 में दिल्ली स्थित डीआरडीओ भवन में उन्हें इस नवाचार के लिए सम्मानित किया गया था। उस समय केंद्रीयमंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया था।

दीघा का समुद्र तट अब रहेगा हॉकर मुक्त, प्रशासन ने जारी किया निर्देश

कोलकाता, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल के प्रमुख पर्यटन केंद्र दीघा को पर्यटकों के लिए और अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से प्रशासन ने समुद्र तट को हॉकर्स से मुक्त रखने का निर्णय लिया है। अब समुद्र तट पर हॉकर्स को दुकान लगाने या सामान बेचने की अनुमति नहीं होगी। मंगलवार से यह निर्देश लागू कर दिया गया है। सोमवार रात दीघा-शंकरपुर विकास बोर्ड की ओर से माइकिंग कर इसकी जानकारी दी गई।

प्रशासन के इस निर्णय का पर्यटकों और दीघा-शंकरपुर होटलियर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने स्वागत किया है। अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ समय से दीघा में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में समुद्र तट पर लोगों की आवाजाही में परेशानी हो रही थी। पर्यटकों की सुविधा



को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है।

पूर्व मेदिनीपुर के अतिरिक्त जिलाधिकारी तथा दीघा-शंकरपुर विकास बोर्ड के कार्यकारी अधिकारी धूमल प्रतीक अशोक ने बताया कि दीघा में पर्यटकों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। समुद्र तट पर आने-जाने में परेशानी होने की शिकायतें मिल रही थीं। आने वाले दिनों में पर्यटकों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। इसलिए समुद्र तट पर लोगों की सुविधाजनक आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि समुद्र तट पर हॉकर्स दुकान लगाकर खाने-पीने की वस्तुएं और अन्य सामान बेच रहे थे। खरीदारी के बाद कई पर्यटक इस्तेमाल की गई वस्तुओं और खाने-पीने का कचरा समुद्र तट पर ही छोड़ देते थे। इससे समुद्र तट पर गंदगी फैल रही थी। प्रशासन का मानना है कि इस निर्णय से समुद्र तट को साफ-सुथरा रखने में भी मदद मिलेगी।

दीघा-शंकरपुर होटलियर्स एसोसिएशन के संयुक्त सचिव विप्रदास चक्रवर्ती ने प्रशासन के इस कदम का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह धीरे-धीरे समुद्र तट पर अतिक्रमण बढ़ रहा था, उससे आम लोगों और पर्यटकों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही थी।

वहीं, रामनगर के विधायक चंद्रशेखर मंडल ने स्पष्ट किया कि हॉकर्स को प्रशासन की ओर से निर्धारित स्थानों पर ही व्यवसाय करना होगा। समुद्र तट पर जहां-तहां दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दूसरी ओर, हॉकर्स ने भी प्रशासन के निर्देश का पालन करने की बात कही है। उन्होंने बताया कि वे प्रशासन की ओर से निर्धारित स्थानों पर ही अपना व्यवसाय करेंगे।

पांडुआ की कालीपूजा में दिखेगी थीम और रोशनी की भव्यता

सोमनाथ मंदिर व पक्षियों के आशियाने दिखेंगे

हुगली, (नि.सं.)। हुगली जिले की ह्यकाली नगरीह्ल पांडुआ कालीपूजा के लिए सजने लगी है। पारंपरिक पूजा के साथ इस बार भी थीम आधारित पंडालों और आकर्षक रोशनी के जरिए दर्शकों को लुभाने की तैयारी जोरों पर है। थीम के बीच प्रतिस्पर्धा को देखते हुए कई पूजा आयोजक अपने पंडालों की सजावट से जुड़ी जानकारियां गोपनीय रख रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से पांडुआ में थीम आधारित पूजा का आकर्षण लगातार बढ़ा है और इस बार भी आयोजकों ने कुछ खास तैयारियां की हैं।

पांडुआ के प्रमुख बड़े बजट वाले पूजा आयोजनों में शामिल प्रगति संघ इस बार गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर की प्रतिकृति तैयार कर रहा है। करीब 60 फीट ऊंचा और 100 फीट चौड़ा भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। फाइबर



समेत विभिन्न सामग्रियों से मंदिर का स्वरूप तैयार किया जा रहा है। यहां लगभग 28 फीट ऊंची आधुनिक शैली की मां काली की प्रतिमा स्थापित होगी। रोशनी की सजावट की जिम्मेदारी शांतिपुर के कलाकारों को दी गई है। आयोजकों ने एक विशेष आकर्षण की भी तैयारी की है, लेकिन फिलहाल उसका खुलासा नहीं किया है। पूजा आयोजक हिमाद्री राय और सुरजीत साह ने मंगलवार को बताया कि पंडाल, प्रतिमा और रोशनी के साथ एक खास चौंकाने वाला आकर्षण भी दर्शकों के लिए होगा।

वहीं, चंदन स्मृति संघ की इस बार की थीम ह्यपक्षियों का आशियानाह्ल है। पंडाल में विलुप्त होते पक्षियों और उनके घोंसलों को दशार्या जाएगा। अलग-अलग तरह के घोंसलों के मॉडल के साथ विभिन्न पक्षियों की प्रतिकृतियां भी लगाई जाएंगी। यहां मां काली की प्रतिमा को ह्यपक्षियों की देवीह्ल के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। मिट्टी से बनी प्रतिमा को थीम के अनुरूप सजाया जाएगा। पंडाल की सज-ावट के साथ विशेष रोशनी की भी व्यवस्था की गई है। पूजा आयोजक अनुद्युति चक्रवर्ती ने कहा कि पांडुआ की लोकप्रिय पूजा की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं।

इसी क्रम में पांडुआ मध्यपाड़ा व्यवसायी समिति के तरुण संघ की 66वीं वर्ष की पूजा की थीम आह्वान रखी गई है। आयोजक इस बार धागों की बुनावट से तैयार पंडाल के जरिए दर्शकों को आकर्षित करना चाहते हैं। पंडाल में हाथियों के अनेक मॉडल लगाए जाएंगे। पौराणिक जीव हाथी को केंद्र में रखकर एक प्रतीकात्मक प्रस्तुति तैयार की जा रही है। यहां मां काली की प्रतिमा अपने पारंपरिक उग्र स्वरूप के बजाय शांत और सौम्य रूप में दिखाई देंगी। धागों की बुनावट के बीच रोशनी की विशेष सजावट पंडाल को अलग वातावरण देगी। पूजा आयोजक विकास शर्मा के अनुसार, पंडाल और रोशनी की सजावट पूजा की रात को और आकर्षक बनाएगी। कुल मिलाकर, इस बार पांडुआ की कालीपूजा में मंदिर स्थापत्य, पक्षियों के संरक्षण और पौराणिक प्रतीकों पर आधारित अलग-अलग थीम दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनने जा रही हैं।

ढाई लाख लोगों को नागरिकता देने का लक्ष्य, 12 आईएएस अधिकारी नियुक्त

कोलकाता, (नि.सं.)। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत नागरिकता प्रमाणपत्र देने के लिए समय सीमा निर्धारित किए जाने के 24 घंटे के भीतर ही राज्य प्रशासन ने तेजी से कदम उठाना शुरू कर दिया है। सरकार ने 31 दिसंबर तक उत्तर 24 परगना और नदिया जिलों में मतुआ और शरणार्थी समुदायों के ढाई लाख आवेदकों को नागरिकता सौंपने का लक्ष्य रखा है। इस प्रक्रिया में गति लाने के लिए दोनों जिलों में 12 युवा आईएएस अधिकारियों को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सोमवार रात राज्य के कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा एक आधिकारिक निर्देश जारी किया गया। निर्देश के अनुसार, सीएए से संबंधित कार्यों को तेजी से निपटाने के लिए इन आईएएस अधिकारियों को उत्तर 24 परगना और नदिया जिलों में तत्काल प्रभाव से दो महीने के लिए तैनात किया गया है। यह कदम रविवार को ठाकुरनगर में गोसाईं परिषद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मतुआ गोसाईं सम्मेलन में मुख्यमंत्री के उस आश्वासन के तुरंत बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अब तक केवल 25 हजार आवेदकों को नागरिकता मिली है और वे इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करना चाहते हैं।

इन 12 अधिकारियों को नागरिकता से जुड़े आवेदनों के सत्यापन, सुनवाई और कानूनी दस्तावेजों की जांच के लिए जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर काम करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासनिक तौर पर जिम्मेदारी संभालते हुए उत्तर 24 परगना में रोमिल द्विवेदी, मुदिता बंसल, रवुल जयसिम्हा रेड्डी, तेजस्वी, स्वामी सुनील रामलिंग और रजत यादव को नियुक्त किया गया है। वहीं, नदिया जिले की जिम्मेदारी रितिका रथ, चोगले अदिति संजय, अभिषेक चौधरी, मेघना चक्रवर्ती, सक्षम भाटिया और हिमांशु भास्कर को सौंपी गई है। उत्तर 24 परगना और नदिया जिलों में शरणार्थी और मतुआ समुदाय की आबादी सबसे अधिक है। यह समुदाय नागरिकता के मुद्दे को हमेशा से प्राथमिकता देता रहा है। पिछले कई चुनावों में भी इस समुदाय का बड़ा समर्थन भाजपा को मिला है। राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में सरकार के इस त्वरित कदम को मतुआ समुदाय के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के स्पष्ट संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

प्रथम प्रकाशन 1878 भारतमित्र

संपादकीय

अदालत परिसरों में महिला वकीलों के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव

हाल ही में एक याचिका की सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि संविधान में दिए गए 'राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों' के तहत जिम्मेदारियों के अलावा साफ-सुथरे शौचालयों तक आम लोगों की पहुँच का अधिकार 'जीवन के अधिकार' का ही हिस्सा है।इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि आम जनता के लिए बुनियादी सुविधाओं का इंतजाम करने का जो काम सरकार को अपने स्तर पर पूरा करना चाहिए, उसके लिए अदालतों को ध्यान दिलाना पड़ता है। कहने को सरकार आए दिन देश भर में स्वच्छता का संदेश देने के लिए हर परिवार के लिए सार्वजनिक शौचालय की सुविधा मुहैया कराने का दावा करती रहती है और इस दिशा में कुछ काम हुए हैं।मगर आज भी हालत यह है कि न केवल सार्वजनिक जगहों पर, बल्कि बहुत सारे स्कूलों और यहाँ तक कि कई अदालतों के परिसरों तक में मौजूद बुनियादी सुविधाएँ बदहाली से दो-चार हैं। इस मामले में महिलाओं को किस स्तर की मुश्किल झेलनी पड़ती है, यह कोई छिपा तथ्य नहीं है।सवाल है कि सरकार के लिए पिछले एक दशक से ज्यादा समय से जो एक प्रमुख मुद्दा रहा है, उस मामले में आज भी दशा क्यों ऐसी है कि अलग-अलग जगहों पर समाज का एक बड़ा तबका साफ सार्वजनिक शौचालयों की कमी का सामना करता है और उसके लिए शीर्ष अदालत के सामने निर्देश जारी करने की नौबत आती है। क्या यह अपनी ही किसी बहुप्रचारित योजना को लेकर सरकार की अगंभीरता का उदाहरण नहीं है?गौरतलब है कि देश भर के अदालत परिसरों में महिला वकीलों के लिए बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख दिखाया है। अदालत ने सभी राज्य सरकारों, केंद्रशासित प्रदेशों और उच्च न्यायालयों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में महिला वकीलों के लिए अलग बार-कक्ष और शौचालय सहित आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। ऐसे अनेक मौके होते हैं, जब सरकारें नाहक ही फिजूलखर्ची करती दिखती हैं, लेकिन जनकल्याण के किसी काम का मसला आने पर धन की कमी का रोना रोती हैं।इसी के मद्देनजर शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य सरकारें इसके लिए आवश्यक बजट आवंटित करें और हाई कोर्ट की भवन एवं बुनियादी ढाँचा समितियाँ इन निर्देशों के क्रियान्वयन की निगरानी करें। सवाल है कि क्या यह एक ऐसी समस्या है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट को निर्देश देने की जरूरत पड़नी चाहिए थी। अगर कई राज्यों में बड़ी संख्या में जिला अदालत परिसरों में महिला वकीलों को अलग शौचालय के अभाव का सामना करना पड़ता है, तो यह किसकी नाकामी है? पिछले कई वर्षों से 'स्वच्छ भारत अभियान' केंद्र सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी योजना रही है, जिसके तहत देश भर में खुले में शौच की समस्या को खत्म करने और सभी परिवारों के लिए शौचालय मुहैया कराने का दावा किया जाता रहा है। मगर दूरदराज के गाँवों में आज भी यह समस्या गाहे-बगाहे चर्चा का कारण बनती रही है। हालत यह है कि दिल्ली जैसे कई शहरों में भी घर से बाहर निकलने के बाद लोगों के लिए अव्वल तो जरूरत के मुताबिक शौचालय खोजना मुश्किल होता है, दूसरे, अगर कहीं यह होता भी है।

नशे की लत सिर्फ व्यक्तिगत समस्या नहीं समाज और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी

नशे के प्रसार के पीछे आर्थिक हितों का प्रश्न भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। एक ओर सरकारें शराब और तंबाकू से राजस्व प्राप्त करती हैं, दूसरी ओर उन्हीं के दुष्परिणामों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, जागरूकता अभियानों और नशामुक्ति कार्यक्रमों पर खर्च करती हैं। यह विरोधाभास सार्वजनिक नीति की गंभीर चुनौती है। राजस्व को उपलब्धि मानने से पहले यह आकलन होना चाहिए कि नशे के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाला बोझ, कार्यक्षमता में कमी, दुर्घटनाएं, पारिवारिक संकट और अपराध की आशंका समाज से कितनी बड़ी कीमत वसूलते हैं। नशामुक्त समाज के लिए तीन स्तरों पर काम करना होगा-रोकथाम, उपचार और पुनर्वास। रोकथाम के तहत परिवार, विद्यालय और समुदाय मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं, जिसमें नशे को प्रतिष्ठा नहीं, जोखिम समझा जाए।

(ज्योति सिडाना)

सरकार का दायित्व नागरिकों को केवल आर्थिक अवसर उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना भी है। नशीले पदार्थों से उपजी समस्या को भी इस कसौटी पर गंभीरता से देखने की जरूरत है। इनके वैध कारोबार से मिलने वाले राजस्व का तर्क अपनी जगह है, लेकिन सवाल है कि क्या यह कमाई समाज और अर्थव्यवस्था को नशे के कारण होने वाले नुकसान से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है!

जब किसी पदार्थ का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य, विवेक, संबंधों और उत्पादकता को नष्ट करने लगे, तब उसे केवल व्यक्तिगत पसंद मानकर छोड़ देना सरकार और समाज, दोनों का जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने जैसा है। यही नहीं, नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार भी लगातार फैलता जा रहा है, जो खासकर युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है।

नशे की समस्या को समझने के लिए सबसे पहले आदत और लत के बीच का अंतर जानना जरूरी है। आदत को बदला जा सकता है, लेकिन लत व्यक्ति की इच्छाशक्ति, निर्णय क्षमता और दैनिक जीवन को इस हद तक प्रभावित कर सकती है कि उससे बाहर निकलना कठिन हो जाता है। यहां चर्चा मादक पदार्थों, शराब और तंबाकू के सेवन की हो रही है। आधुनिक तंत्रिका विज्ञान नशे की लत को मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में होने वाले बदलावों से जोड़ता है। नशीले पदार्थों के सेवन से मस्तिष्क की प्रणाली प्रभावित होती है और निर्णय लेने तथा आवेगों पर नियंत्रण रखने की क्षमता कमजोर पड़ती है। इसीलिए नशे की लत को केवल चरित्र की कमजोरी या इच्छाशक्ति का अभाव मानना उचित नहीं है। यह ऐसी समस्या है, जिसके लिए उपचार और पुनर्वास की जरूरत होती है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें, तो नशा कई बार व्यक्ति के लिए तनाव, अकेलेपन, अवसाद या पुराने मानसिक आघात से अस्थायी राहत पाने का माध्यम बन जाता है। सवाल यह नहीं कि व्यक्ति नशे की ओर क्यों आकर्षित हुआ, बल्कि यह भी है कि वह किस पीड़ा से बचने की कोशिश कर रहा है। बचपन में हिंसा, उपेक्षा, पारिवारिक कलह और असुरक्षा के अनुभव आगे चलकर नशे के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।



इसका अर्थ यह नहीं कि ऐसे अनुभवों से गुजरने वाला हर व्यक्ति नशे का आदी हो जाएगा, बल्कि यह कि समय रहते भावनात्मक सहारा और उचित सहायता मिलने से जोखिम कम किया जा सकता है। समाजशास्त्रीय दृष्टि से नशे को व्यक्तिगत समस्या तक सीमित नहीं रखा जा सकता। परिवार, मित्र समूह, रोजगार, सामाजिक संबंध और आसपास का वातावरण उसके व्यवहार को प्रभावित करते हैं। दूसरी ओर, यदि परिवार और मित्रों के बीच नशे को सामान्य व्यवहार या प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है, तो खासकर किशोर और युवा इसे अपनाने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। कभी वे परिपक्व दिखने के लिए, कभी साथियों के दबाव में और कभी आत्मविश्वास या ऊर्जा बढ़ाने की गलत धारणा के कारण नशे की शुरुआत करते हैं। इस तरह व्यक्तिगत चुनाव के पीछे सामाजिक परिस्थितियों की भूमिका भी खास होती है। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक ब्रूस अलेक्जेंडर के चर्चित 'रैट पार्क' प्रयोग ने इस संबंध में एक महत्त्वपूर्ण सवाल उठाया। प्रयोग में चूहों के अलगाव और समृद्ध सामाजिक वातावरण के बीच नशीले पदार्थों के सेवन के व्यवहार की तुलना की गई। इससे यह समझने में मदद मिली कि सामाजिक संपर्क और अनुकूल वातावरण नशे के व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। इसी तरह वियतनाम युद्ध के दौरान हेरोइन का सेवन करने वाले अमेरिकी सैनिकों पर किए गए एक अध्ययन में उनमें से ज्यादातर का स्वदेश लौटने के बाद नशे से दूर हो जाना दर्ज किया गया।

इन निष्कर्षों से यह संकेत मिलता है कि नशे की लत को समझने में वातावरण, तनाव और सामाजिक परिस्थितियों की अनदेखी नहीं की जा सकती। हालांकि, इससे यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा कि केवल माहौल बदलने से हर व्यक्ति की लत बिना उपचार के छूट सकती है। कई लोगों को चिकित्सकीय सहायता और लंबे समय तक सहयोग की जरूरत होती है। नशे के प्रसार के पीछे आर्थिक हितों का प्रश्न भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। एक ओर सरकारें शराब और तंबाकू से राजस्व प्राप्त करती हैं, दूसरी ओर उन्हीं के दुष्परिणामों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, जागरूकता अभियानों और नशामुक्ति कार्यक्रमों पर खर्च करती हैं। यह विरोधाभास सार्वजनिक नीति की गंभीर चुनौती है। राजस्व को उपलब्धि मानने से पहले यह आकलन होना चाहिए कि नशे के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाला बोझ, कार्यक्षमता में कमी, दुर्घटनाएं, पारिवारिक संकट और अपराध की आशंका समाज से कितनी बड़ी कीमत वसूलते हैं। किसी पदार्थ से होने वाली आय को उसके सामाजिक नुकसान से अलग करके नहीं देखा जा सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शराब और मनःप्रभावी पदार्थों के सेवन को गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती माना है। इसके बावजूद नशे का आकर्षण कम नहीं हो रहा। फिल्मों, मनोरंजन और सामाजिक आयोजनों में शराब या धूम्रपान को आधुनिकता, सफलता और उत्सव से जोड़कर दिखाने का असर युवाओं पर पड़ सकता है।

नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध को लेकर कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत है। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान न करने, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण, नाबालिगों को नशीले पदार्थों से दूर रखना और इनके अवैध कारोबार पर कार्रवाई जैसे कदम तभी प्रभावी होंगे, जब निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित हो। इस संदर्भ में आइसलैंड का अनुभव उल्लेखनीय है।

वहां किशोरों में नशे की प्रवृत्ति कम करने के लिए परिवारों की भागीदारी, खेलकूद, संगीत और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के अवसर बढ़ाने तथा बच्चों के खाली समय को सकारात्मक दिशा देने पर जोर दिया गया। इस दृष्टिकोण का मूल विचार था कि किशोरों को केवल नशे से दूर रहने की सलाह देना पर्याप्त नहीं, उन्हें ऐसे विकल्प भी चाहिए, जो जीवन में आनंद, अपनापन और उद्देश्य की भावना पैदा करें। भारत में भी खेल के मैदान, पुस्तकालय, सांस्कृतिक केंद्र और परामर्श सेवाएं विशेषकर छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ कराई जानी चाहिए। नशामुक्त समाज के लिए तीन स्तरों पर काम करना होगा-रोकथाम, उपचार और पुनर्वास। रोकथाम के तहत परिवार, विद्यालय और समुदाय मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं, जिसमें नशे को प्रतिष्ठा नहीं, जोखिम समझा जाए। उपचार के स्तर पर नशे की लत से जूझ रहे व्यक्ति को अपराधी या नैतिक रूप से कमजोर मानने के बजाय चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। पुनर्वास में रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और पारिवारिक सहयोग की भूमिका सुनिश्चित हो, ताकि उपचार के बाद व्यक्ति सम्मानपूर्वक जीवन की ओर लौट सके।

केवल नशा छोड़ने की सलाह देना पर्याप्त नहीं, उसे जीवन में लौटने का अवसर भी देना होगा। नशे के विरुद्ध लड़ाई का उद्देश्य केवल नशीले पदार्थों की खपत घटाना नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों को बदलना भी होना चाहिए, जो व्यक्ति को उनकी ओर धकेलती हैं। सुरक्षित बचपन, सार्थक रोजगार, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं और रचनात्मक गतिविधियां नशामुक्ति की मजबूत नींव बन सकती हैं।

डीजे का खतरा- कानूनन 40 से 55 डेसिबल तक शोर की सीमा, रैलियों-जुलूसों में कई गुना तेज आवाज

(अतुल कनक)

मानव जीवन में उत्सवों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। इनका सबसे बड़ा सकारात्मक पक्ष यह है कि ये व्यक्ति एवं समाज को सकारात्मक ऊर्जा देते हैं और उत्साह का संचार करते हैं। उत्सव वह अवसर होता है, जो हमारे मन से उलझनों के विषाद को हटा दे। प्राचीन काल से उत्सवों का आयोजन प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने, आस्था को अभिव्यक्त करने और परेशानियों को दूर रखकर आनंद की अनुभूति के लिए होता रहा है। धीरे-धीरे उत्सवों से विविध परंपराएँ जुड़ती गईं और नए उत्सवों ने आकार लिया, लेकिन इन खास अवसरों पर खुशी व्यक्त करने के रंग-ढंग वक्त के साथ बदलते गए।

अब उत्सवों पर भव्य आयोजन होने लगे हैं। मन को शीतलता प्रदान करने वाली ध्वनियों की जगह तेज संगीत और पटाखा-अतिशबाजियों के शोर-शराबे ने ले ली है। यहाँ तक कि विवाह समारोहों या धार्मिक कार्यक्रमों में भी तेज आवाज में बजने वाले डीजे अब आम हो गए हैं। मगर इस ओर शायद ही किसी का ध्यान जाता है कि यह शोर ध्वनि प्रदूषण का कारण बनता है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए भी नुकसानदेह है।

पिछले दिनों उत्तराखंड के बदरीनाथ धाम में डीजे की तेज आवाज पर जिला प्रशासन की ओर से प्रतिबंध लगा दिया गया। कारण बताया गया कि बदरीनाथ एक शांत क्षेत्र है, लोग वहाँ ध्यान और शांति के लिए जाते हैं। प्राचीन परंपराओं में तो कई धार्मिक स्थलों पर शांति बनाए रखने के लिए क्षेत्र में शंख तक बजाने से परहेज किया जाता था। मगर आज लोग अपनी भक्ति की अभिव्यक्ति के लिए डीजे बजाने लगे हैं। उल्लेखनीय है कि डीजे की तेज आवाज संबंधित क्षेत्र के शांत वातावरण को ही भंग नहीं करती, बल्कि इससे उत्पन्न तरंगें वहाँ की पारिस्थितिकी पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। तेज ध्वनि मनुष्य को कैसे नुकसान पहुँचा सकती है, इसे समझने के लिए ध्वनि से मानव मस्तिष्क के रिश्ते की बारीकियों पर गौर करना जरूरी है। ध्वनि की तीव्रता को डेसिबल में मापा जाता है। आमतौर पर हम लोग जो आपस में बात करते हैं, उसकी तीव्रता 60 से 70 डेसिबल तक होती है। सत्तर डेसिबल तीव्रता पर होने वाली बात को तो कई बार चीखना-चिल्लाना कहा जाता है। कोई व्यक्ति 85 डेसिबल तीव्रता वाली आवाज के बीच यदि लंबे समय तक रहे, तो उसे चिड़चिड़ाहट होने लगती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 85 डेसिबल से अधिक तीव्रता की आवाज में देर तक रहने पर मनुष्य की सुनने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है और 120 डेसिबल तीव्रता की आवाज वाला संगीत जानलेवा भी हो सकता है। इन तथ्यों को जानने के बाद यह समझना किसी के भी मन में भय पैदा कर सकता है कि पारिवारिक या सामाजिक समारोहों में बजने वाले डीजे की आवाज 100 से 130 डेसिबल तक होती है और कई बार तो लोग अति उत्साह में इसे 140 डेसिबल तक कर देते हैं।

पशु-पक्षियों के लिए भी तेज आवाज नुकसानदेह होती है, क्योंकि वे आवाज के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं। जिन घरों में पालतू पशु हैं, उनमें रहने वाले लोग जानते हैं कि तेज आवाज के समय पशु कितने बेचैन और परेशान होते हैं। मनुष्य तो फिर भी तेज आवाज के समय अपने कानों को बंद करने के तरीके अपना सकता है, लेकिन जानवरों के पास यह सुविधा नहीं होती। ऐसे में सवाल है कि हम अपने परिवेश के प्रति इतने असंवेदनशील कैसे हो सकते हैं कि उन प्राणियों की परवाह न करें, जिनका पोषण प्रकृति हमारे साथ करती है? इसके अलावा मनुष्य का स्नायुतंत्र भी तेज आवाज में असहज हो जाता है। तेज शोर के बीच सिर दर्द, चक्कर आना, अचानक घबराहट होना या दिल की धड़कन तेज हो जाना सामान्य बात है। चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक, कई बार हमारे हृदय में कुछ अवरोध सुषुप्त अवस्था में होते हैं। तेज आवाज के कारण जब शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है, तो वे अवरोध अचानक मुखर हो जाते हैं। ऐसे शोर का सामना करने के लिए शरीर कुछ ऐसी प्रतिक्रिया देता है कि रक्तचाप में भी आकस्मिक परिवर्तन हो जाता है। यह महज इत्तिफाक नहीं है कि पारिवारिक और सामाजिक समारोहों में अब शोर-शराबे के बीच कई लोगों की अचानक जान चली जाती है।

पिछले दिनों गणपति विसर्जन के दौरान भी देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे हादसे हुए, जिस कारण संवेदनशील लोग डीजे के नियंत्रित उपयोग के नियम बनाने की माँग करने लगे हैं। गत दिनों उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में एक स्कूल में बारह वर्षीय बालिका अचानक गश खाकर गिरी और उसकी मौत हो गई। आरोप है कि उस समय स्कूल के पास से तेज आवाज में डीजे बजाता हुआ एक जुलूस निकल रहा था। ऐसे ही मध्य प्रदेश के भोपाल में पिछले साल तेरह वर्षीय बालक अपने घर में खेल रहा था। डीजे बजाता हुआ एक जुलूस उसके घर के पास से निकला, तो वह उसे देखने चला गया, जहाँ अचानक उसकी मौत हो गई। ऐसी ही कई घटनाएँ दूसरे राज्यों में भी सामने आई हैं।

जुलूसों में बजने वाले तेज डीजे पर पिछले दिनों बंबई उच्च न्यायालय ने गहरी चिंता जताई थी।डिस्को के दौर में जब तेज आवाज के संगीत के प्रति दुनिया का रुझान बढ़ा, तो डीजे भी लोकप्रिय हुआ। भारत में डीजे की शुरुआत 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध से मानी जा सकती है, लेकिन पिछले करीब दो दशकों में आवाज बढ़ाने वाले स्पीकर को वाहनों पर रखकर संगीत बजाने का सिलसिला जोर पकड़ रहा है। तेज आवाज से ध्वनि प्रदूषण होता है और डीजे की आवाज भी ध्वनि प्रदूषण (नियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 से नियंत्रित होती है। डीजे को बजाने के लिए प्रशासन की स्वीकृति आवश्यक होती है।

चीन को लगे 40 साल, पीएम मोदी ने 12 साल में कर दिखाया, 49.6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठाया

तुलनात्मक रूप से देखें तो चीन ने 1978 के बाद लगभग चार दशकों में करीब 77 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का ऐतिहासिक दावा किया था। वहीं भारत ने विश्व बैंक के अक्टूबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार, 2011 से 2023 के बीच महज 12 वर्षों में 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर पहुंचाया। अत्यंत गरीबी का अनुपात भी इसी अवधि में 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गया। चीन की चार दशक लंबी यात्रा के मुकाबले भारत की 12 वर्षों की यह उपलब्धि अपने आप में असाधारण है।

(नीरज कुमार दुबे)

विश्व बैंक की पोवेर्टी एण्ड इक्यूटी ब्रिफ अक्टूबर 2026 के मुताबिक, भारत ने 2011 से 2023 के बीच अनुमानित 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। इस अवधि में इस श्रेणी में आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया।

बचपन में घोर गरीबी को बेहद करीब से देखने वाले और जीवनयापन के लिए रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी ने जब देश के प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाली, तो उनके सामने भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक थी गरीबी। करोड़ों लोगों के पास न पक्का मकान था, न बैंक खाता, न शौचालय, न रसोई गैस और न ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों को सरकारी योजनाओं के केंद्र में रखते हुए गरीबी के अभिशाप से देश को बाहर निकालने का अभियान शुरू किया। अब इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं जिसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी मान रही हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की ताजा रिपोर्ट भारत की इसी परिवर्तनकारी यात्रा पर वैश्विक मुहर लगा रही है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट 49.6 करोड़ लोगों की जिंदगी में बदलाव : विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2011 से 2023 के बीच अनुमानित 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। इस अवधि में इस श्रेणी में आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया। इससे भी महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अत्यंत गरीबी में रहने वाली आबादी का अनुपात 2011 के 27.1 प्रतिशत से घटकर 2023 में महज 2.6 प्रतिशत रह गया। विश्व बैंक ने भारत की इस प्रगति को दुनिया में गरीबी घटने की सबसे तेज प्रक्रियाओं में से एक बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत घरेलू उपभोग, रोजगार में वृद्धि, विशेषकर महिलाओं की बढ़ती रोजगार भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं ने इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



गरीबी के खिलाफ मोदी सरकार की रणनीति : देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक नीतियों का एक महत्वपूर्ण आधार रहा है कि गरीबों को केवल आर्थिक सहायता देने के बजाय उन्हें बुनियादी सुविधाओं और वित्तीय व्यवस्था से जोड़ा जाए। जनधन योजना के जरिए करोड़ों बैंक खाते खुले। आधार और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर ने सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने का रास्ता मजबूत किया। उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने गरीब परिवारों के जीवन स्तर को प्रभावित किया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को खाद्य सुरक्षा मिली। इसके साथ ही मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं के जरिए रोजगार, उद्यमिता और विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहित करने का प्रयास हुआ।

वैश्विक संकट में भी भारत की आर्थिक मजबूती : साथ ही कोरोना महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई और वैश्विक व्यापारिक तनाव के बीच भारत ने अपनी आर्थिक विकास गति बनाए रखने की कोशिश की है। बुनियादी ढांचे पर सरकारी निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था, घरेलू उपभोग और मजबूत बैंकिंग व्यवस्था ने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया। भारत की डिजिटल भुगतान व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की क्षमता ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को भी अधिक प्रभावी बनाया है।

क्या दुनिया में किसी नेता ने इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की है? : यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या दुनिया के किसी दूसरे नेता ने नरेंद्र मोदी जैसी आर्थिक उपलब्धि इतने कम समय में हासिल की है? तुलनात्मक रूप से देखें तो चीन ने 1978 के बाद लगभग चार दशकों में करीब 77 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का ऐतिहासिक दावा किया था। वहीं भारत ने विश्व बैंक के अक्टूबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार, 2011 से 2023 के बीच महज 12 वर्षों में 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर पहुंचाया। अत्यंत गरीबी का अनुपात भी इसी अवधि में 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गया। चीन की चार दशक लंबी यात्रा के मुकाबले भारत की 12 वर्षों की यह उपलब्धि अपने आप में असाधारण है।इस उपलब्धि का राजनीतिक और नीतिगत महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि इस अवधि के अधिकांश वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते हैं। 2014 में सत्ता संभालने के बाद मोदी सरकार ने गरीबों के बैंक खाते खोलने, सीधे आर्थिक सहायता पहुंचाने, मुफ्त राशन, आवास, रसोई गैस, स्वास्थ्य बीमा, स्वच्छता और ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। जनधन-आधार-डीबीटी की व्यवस्था से लेकर गरीब कल्याण योजनाओं तक, इन नीतिगत पहलों ने गरीबी के खिलाफ अभिय को व्यापक आधार दिया। इसलिए 2014 के बाद लागू और विस्तारित इन नीतियों को इस ऐतिहासिक बदलाव का एक महत्वपूर्ण नीतिगत श्रेय निश्चित रूप से दिया जाना चाहिए।

अभी बाकी है आर्थिक लड़ाई: साथ ही विश्व बैंक ने रोजगार की गुणवत्ता, युवाओं की बेरोजगारी और क्षेत्रीय असमानता को लेकर भी चिंता जताई है। देश की लगभग 57 प्रतिशत गरीब आबादी उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल तक फैले राज्यों के एक क्षेत्र में केंद्रित है। 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ की वृद्धि हुई, जिसमें ग्रामीण महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। लेकिन युवाओं के लिए बेहतर और उत्पादक रोजगार उपलब्ध कराना अभी बड़ी चुनौती है। विश्व बैंक के अनुमान के मुताबिक, 4.20 डॉलर वाली गरीबी रेखा पर गरीबी की दर 2026 के 14.2 प्रतिशत से घटकर 2028 तक 12.1 प्रतिशत हो सकती है।

बहरहाल, भारत की यह यात्रा केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में आए बदलाव की कहानी है। रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने से लेकर देश के प्रधानमंत्री बनने तक का सफर तय करने वाले नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबी के खिलाफ चलाए गए अभियान ने महत्वपूर्ण परिणाम दिए हैं। अब चुनौती इस उपलब्धि को स्थायी आर्थिक समृद्धि में बदलने की है, ताकि गरीबी से बाहर आए परिवार दोबारा अभाव के अंधेरे में न लौटें और भारत विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य की ओर मजबूती से बढ़ सके। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

दिल्ली-एनसीआर पर मंडराया पाकिस्तानी धुएं का संकट

भारत के पंजाब से 4 गुना ज्यादा पराली जला रहा पाक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सर्दियों के प्रदूषण का मौसम इस बार तय समय से पहले ही शुरू हो गया है। आमतौर पर दीवाली के बाद गहराने वाली जहरीली धुंध ने इस बार त्योहार से करीब एक हफ्ता पहले ही दिल्ली-एनसीआर को अपनी चपेट में ले लिया है। पंजाब और हरियाणा में जलती पराली के साथ-साथ इस बार सीमा पार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बड़े पैमाने पर खेतों में लगी आग ने संकट को और गहरा कर दिया है। इसके चलते दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) तेजी से गिरकर बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया है।

अभी कुछ ही दिन पहले 30 अक्टूबर को बारिश के चलते दिल्ली का एक्यूआई सुधरकर 60 तक पहुंच गया था। इस साल दिल्ली ने आठ वर्षों में सबसे साफ अक्टूबर का महीना देखा, जहां औसत एक्यूआई 167 दर्ज हुआ था। लेकिन नवंबर की शुरूआत होते ही सोमवार (2 नवंबर) को वायु गुणवत्ता अचानक बेहद खराब श्रेणी में फिसल गई। मंगलवार को शहर का औसत एक्यूआई 330 के करीब दर्ज किया गया, जबकि कम से कम तीन निगरानी केंद्रों पर यह 400 के पार यानी गंभीर स्तर पर पहुंच गया।



प्रदूषण के स्तर में अचानक आए इस उछाल को देखते हुए प्रशासन ने पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ग्रैप का दूसरा चरण लागू कर दिया है। इसके तहत सड़कों पर पानी का छिड़काव, एंटी-स्मॉग गन का उपयोग और निर्माण स्थलों की कड़ी निगरानी जैसे आपात उपाय अनिवार्य कर दिए गए हैं। सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, 301 से 400 का एक्यूआई बेहद खराब और 401 से 500 गंभीर श्रेणी में माना जाता है।इस बार दिल्ली की हवा बिगड़ने में पाकिस्तान के पंजाब में पराली जलाने की रिकॉर्ड घटनाओं की बड़ी भूमिका है। पाकिस्तानी अखबार डान ने नासा के सैटेलाइट डेटा पर आधारित रिपोर्ट में खुलासा किया है कि 1 से 29 अक्टूबर के बीच पाकिस्तान के पंजाब में पराली जलाने की 13,241 घटनाएं दर्ज की गईं, जो भारतीय पंजाब 3158 घटनाओं के मुकाबले करीब 4.2 गुना अधिक हैं।

दीया मिर्जा का दिवाली वीडियो दोबारा अपलोड करें : हाईकोर्ट



मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी को एक्ट्रेस दीया मिर्जा का दिवाली वीडियो दोबारा अपलोड करने का आदेश दिया है। इस वीडियो में दीया ने लोगों से ग्रीन पटाखे जलाने और सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न फोड़ने की अपील की थी। बीएमसी के आधिकारिक एक्स हैंडल और दूसरे सोशल मीडिया अकाउंट पर दीया मिर्जा का वीडियो रविवार को पोस्ट किया गया था और उसी रात इसे हटा दिया गया। भाजपा नेताओं ने एक्ट्रेस के वीडियो पर आपत्ति जताई थी।

भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम ने कहा था कि हमें त्योहार मनाने का तरीका किसी से सीखने की जरूरत नहीं है। उन्होंने पटाखों के खिलाफ अपील करने वालों को 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' का हिस्सा बताया।

बीएमसी ने भाजपा की आपत्ति के बाद पोस्ट हटायी थी

वीडियो हटाए जाने के बाद दीया ने सोशल मीडिया पर लिखा था- कोई पैसे नहीं लिए हैं। भलाई का जमाना ही नहीं रहा। जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस नीला गोखले की बेंच ने नेताओं की टिप्पणियों पर भी नाराजगी जताई। जस्टिस कुलकर्णी ने कहा- नेताओं ने कोर्ट के उस पुराने आदेश पर ध्यान दिए बिना टिप्पणी की, जिसमें सभी को जागरूकता अभियान में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई थी।बेंच ने कहा- भारत धर्मनिरपेक्ष देश है और पर्यावरण से जुड़े मुद्दे को कोई दूसरा रंग नहीं दिया जाना चाहिए। दीया मिर्जा ने कोर्ट के निर्देशों के मुताबिक वायु प्रदूषण पर अच्छा मैसेज दिया था। मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने आतिशबाजी को लेकर दिशानिर्देश जारी किए थे। इनके पालन में बीएमसी ने सार्वजनिक सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ने पर पूरी तरह रोक लगाई है।

इस बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए इटउ ने कई सेलिब्रिटी के साथ वीडियो बनाए थे।

तुषार कपूर को धमकाकर मांगे 5 करोड़ रुपये

लॉरेंस गैंग के हैरी बॉक्सर के नाम से आया फोन

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर को कथित तौर पर लॉरेंस गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के नाम से फोन आया। फोन करने वाले ने 5 करोड़ रुपए मांगे हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, तुषार कपूर ने इसकी जानकारी मुंबई पुलिस को दी। इसके बाद जांच एंटी-एक्सटॉर्शन सेल और क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। क्राइम ब्रांच की टेक्निकल टीम ने धमकी भरे कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग की जांच की। इसके बाद आवाज का मिलान हैरी बॉक्सर के आधिकारिक ऑडियो सैंपल से किया गया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, दोनों आवाजें आपस में मेल नहीं खातीं। इससे पुलिस को शक है कि यह फर्जी कॉल था। किसी ने गैंग का नाम लेकर डर पैदा करने की कोशिश की।

अब पुलिस उस व्यक्ति की तलाश कर रही है, जिसने धमकी भरी ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी थी। गौरतलब है कि लॉरेंस गैंग के गुर्गे हैरी बॉक्सर पर बॉलीवुड और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों को धमकी देने के आरोप हैं। इनमें सबसे प्रमुख नाम एक्टर रणवीर सिंह का है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, हैरी ने रणवीर के मैनेजर को वॉइस नोट भेजकर 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। रकम नहीं देने पर रणवीर और उनके स्टाफ को जान से मारने की धमकी दी गई थी।

नेपाल में लैंडिंग के दौरान 2 हेलिकॉप्टर टकराए

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि न्यूजीलैंड का एक भारतीय मूल का नागरिक घायल हो गया। शुरूआती रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराए थे। हादसा सुबह 8:11 बजे सोलुखुम्बु जिले के फेरीचे हेलीपैड पर हुआ। यहां फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर उतरने की कोशिश कर रहे थे।अधिकारियों के मुताबिक फिशटेल एयर के हेलिकॉप्टर में सवार भारतीय पर्यटक वसंत कुमार बालारामारामाडु की मौत हुई है। इसी हेलिकॉप्टर में सवार न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल घायल हुए हैं। वे भारतीय मूल के हैं। नेपाल में पहाड़-घाटियां, बदलता मौसम, जोखिम भरे रनवे विमान या हेलिकॉप्टर हादसे की मुख्य वजह हैं।नेपाली अधिकारियों के मुताबिक एक हेलिकॉप्टर लुकला से आ रहा था, जबकि दूसरा एवरेस्ट बेस कैंप के पास गोरक्षेप की तरफ से लौट रहा था। दोनों अलग-अलग दिशाओं से एक ही जगह उतरने की कोशिश कर रहे थे।

दिवाली-छठ पर दिल्ली समेत छह स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट बंद

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिवाली और छठ पर ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दिल्ली के प्रमुख स्टेशनों पर कई पाबंदियां लगाई हैं। यात्रियों की सुरक्षा और स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए छह स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री बंद रहेगी। वहीं, चार स्टेशनों पर पार्सल की बुकिंग और सामान चढ़ाने-उतारने पर भी रोक लगाई गई है।उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार, तीन से 14 नवंबर तक नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद, आनंद विहार टर्मिनल और आनंद विहार हॉल्ट पर प्लेटफॉर्म टिकट नहीं मिलेंगे। हालांकि, बुजुर्ग, बीमार, दिव्यांग और अशिक्षित यात्रियों के साथ आने वाले लोगों को छूट दी गई है। जरूरत पड़ने पर महिला यात्रियों की मदद के लिए आने वाले लोगों को भी प्लेटफॉर्म टिकट दिया जाएगा।प्लेटफॉर्म टिकट के अलावा रेलवे ने पार्सल सेवाओं पर भी अस्थायी रोक लगाई है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, मुख्य अभियंता (निर्माण)/एस/गार्डन रीच, दक्षिण पूर्व रेलवे, कोलकाता-700043 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। निविदा नियत तिथि को 12.00 बजे बंद की जाएगी। **ई-निविदा सूचना सं.: 4686-जीआरसी-सीई-सी-एसओ-49-2026, कार्यों का संक्षिप्त विवरण:** इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड पर दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल के चैनेज 53+520 किमी से 39+400 किमी तक बुढ़ामरा - चाकुलिया खंड के संबंध में, भारतीय रेलवे मानक लोडिंग के 25टी एक्सल लोड के लिए मिट्टी कार्य, ब्लैंकेटिंग, महत्वपूर्ण पुलों, बड़े पुलों, छोटे पुलों और अन्य विविध कार्यों सहित नई लाइन कार्य का निर्माण, इनडोर और आउटडोर एस एंड टी कार्यों का निष्पादन, सामान्य विद्युत कार्यों का निष्पादन तथा ट्रैक्शन और बिजली आपूर्ति के लिए ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) की स्थापना और आरंभ करने का कार्य। **अनुमानित मूल्य:** रु.445.71 करोड़। **बोली प्रतिभूति:** रु. 8,91,42,800/-, **समापन अवधि:** 24 माह। **बोली पूर्व बैठक: तारीख:** 25.11.2026, **समय:** 12:00 बजे। **स्थान:** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का कार्यालय, 11, गार्डन रीच रोड, कोलकाता-700043, **अंतिम तिथि:** 08.01.2027 को 12.00 बजे (आईएसटी)। इच्छुक निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps. gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। किसी भी परिस्थिति में इन मदों के लिए मैनुअल निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएंगी। **द्रष्टव्य:** "प्रत्याशित बोलीदाता सभी अन्य निविदाओं में भाग लेने के लिए, **www.ireps.gov.in** नियमित रूप से देख सकते हैं।" **(PR-965)**

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/(सामान्य), पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, रिमोट कंट्रोल बिल्डिंग, पूर्व रेलवे, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नवर्णित कार्यों के सिलसिले में निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **क्रम सख्या 1, निविदा संख्या : ईएलईजी-ओटी-1380-2026-27, कार्य का विवरण:** "गेदे में पूर्ण लंबाई की गुड्स ट्रेन के आवास के लिए लाइन नंबर 3 और 4 के विस्तार के साथ अतिरिक्त पूर्ण लंबाई की लूप लाइन के लिए प्रस्ताव" से संबंधित विद्युत सामान्य कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 29,61,879/-, **बयाना राशि:** रु. 59,200/-, **क्रम संख्या 2, निविदा संख्या : ईएलईजी-ओटी-1403-2026-27, कार्य का विवरण:** चितपुर डिपो में ईटीपी के प्रावधान के साथ यंत्रचालित लॉण्ड्री के बुनियादी ढांचे के रूपांतरण" से संबंधित विद्युत सामान्य सेवा कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 38,05,787/-, **बयाना राशि:** रु. 76,100/-, **क्रम संख्या 3, निविदा संख्या : ईएलईजी-ओटी-1405-2026-27, कार्य का विवरण:** न्यू कोयलाघाट बिल्डिंग के पश्चिमी भाग में 4 पैसेंजर लिफ्ट, क्षमता प्रत्येक 20 पैसेंजर, (जी+13) (प्रस्तुतकारक : मेसर्स थाइस्सेनक्रुप) का तीन (03) वर्षों के लिए व्यापक वार्षिक मेन्टेनेंस शेड्यूल एवं ब्रेकडाउन कॉन्ट्रैक्ट। **निविदा मूल्य:** रु. 52,49,593.44, **बयाना राशि:** रु. 1,05,000/-, **समापन अवधि:** 15 माह (क्रम सं. 1 के लिए), 09 माह (क्रम सं. 2 के लिए) और 36 माह (क्रम सं. 3 के लिए)। **आईआरईपीएस पर निविदा प्रकाशन की तिथि की तिथि:** दिनांक 30.10.2026 (क्रम सं. 1 से 3 के लिए), **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 23.11.2026 को 14.00 बजे (क्रम सं. 1 से 3 के लिए)। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 09.11.2026 (क्रम सं. 1 से 3 के लिए)। निविदा सूचना एवं समय-समय पर जारी संशोधनी का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं।

SDAH-290/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

दिल्ली में बिक रहे सभी तरह के पटाखे

सुप्रीम कोर्ट का सरकार को जांच का आदेश

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली के बाजारों में पटाखों की खुली बिक्री की खबर पर चिंता जताई। कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से आदेश के उल्लंघनों की जांच करने को कहा है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट का हवाला दिया। रिपोर्ट में कोर्ट के बैन के बावजूद अलग-अलग तरह के पटाखे बिकने की बात कही गई है। कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में 4 से 6 नवंबर तक सिर्फ प्रमाणित ग्रीन पटाखे बेचने की परमिशन दी थी। साथ ही 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक फोड़ने की परमिशन दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, चांदनी चौक, सदर बाजार, शास्त्री नगर, सरोजिनी नगर और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी समेत दिल्ली के कई बाजारों में पटाखे



खुलेआम बिक रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दुकानदार ग्रीन पटाखों के नाम पर पारंपरिक पटाखे भी बेच रहे हैं। कई पैकेट पर क्यूआर कोड नहीं थे या उनसे प्रमाणन की जानकारी नहीं मिल रही थी। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल पर सुनवाई कर रहा है। कोर्ट ने माना था कि पहले लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद पारंपरिक पटाखों की अवैध बिक्री जारी रही। अब कोर्ट ने 9 नवंबर से पटाखों पर पूरी तरह प्रतिबंध फिर लागू करने का निर्देश दिया है।

ओमान में जहाज पर हमले में भारतीय की मौत

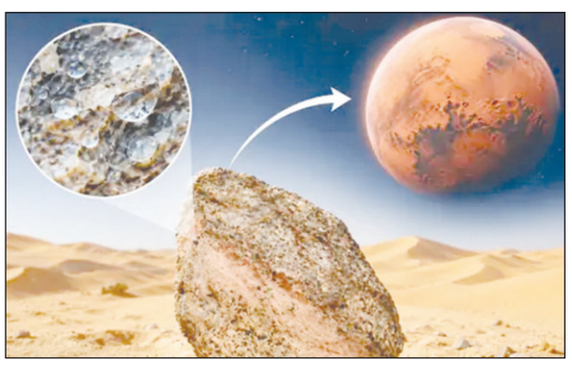
नयी दिल्ली, एजेंसी। ओमान के तट के पास भारतीय ध्वज वाले मालवाहक जहाज पर हुए हमले की विदेश मंत्रालय ने निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र में नागरिक बुनियादी ढांचे और जहाजों को निशाना बनाना तुरंत बंद होना चाहिए। मंत्रालय ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना जताई और कहा कि ओमान में भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। मस्कट स्थित भारतीय दूतावास मृतक के पार्थिव शरीर और अन्य बचाए गए 13 भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए ओमान प्रशासन के साथ समन्वय कर रहा है।ओमान के तट के पास एक कमर्शियल जहाज पर हुए हमले को लेकर विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा, 'हम सोमवार शाम ओमान के लिमाह के पास एक कमर्शियल जहाज एमएसवी अल जुसुफी' पर हुए हमले की निंदा करते हैं।

सहारा रेगिस्तान में मिला गुलाबी पत्थर मंगल ग्रह का

800 ग्राम के पत्थर में मिले पानी के निशान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। सहारा रेगिस्तान में 2022 में मिला करीब 800 ग्राम का गुलाबी रंग का पत्थर मंगल ग्रह का निकला है। नासा की मदद से हुई रिसर्च में इसकी पुष्टि हुई है। जांच में पता चला कि यह चट्टान 4.1 अरब साल से भी ज्यादा पुरानी है। इसमें ऐसे खनिज मिले हैं, जो बताते हैं कि मंगल के शुरूआती दौर में उसकी चट्टानों के संपर्क में पानी आया था। यह खोज मंगल के पुराने वातावरण को समझने में मदद कर सकती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, उस समय मंगल आज की तरह ठंडा और सूखा नहीं था।

इस चट्टान को ह्यतेघाजा 001ह्ल नाम दिया गया है। यह माली के तेघाजा नमक मैदान में मिली थी। शुरूआत में वैज्ञानिकों को यह पता नहीं था कि यह पत्थर कहां से आया है। इसकी पहचान करने के लिए वैज्ञानिकों ने इसमें मौजूद ऑक्सीजन के आइसोटोप की जांच की। आइसोटोप एक ही तत्व के अलग-अलग रूप होते हैं। अलग-अलग ग्रहों की चट्टानों में इनका अनुपात अलग हो सकता है। जांच में इस पत्थर के आइसोटोप मंगल की चट्टानों से मेल खाते मिले। इसके बाद वैज्ञानिकों ने इसकी बनावट और खनिजों की जांच की। इसमें जिरकॉन



नाम के छोटे क्रिस्टल मिले। इन क्रिस्टल की मदद से वैज्ञानिकों ने चट्टान की उम्र का पता लगाया।

तेघाजा 001 नाम के मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड के इस टुकड़े का इस्तेमाल उसकी खनिज संरचना और रासायनिक बनावट की जांच के लिए किया गया। तेघाजा 001 नाम के मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड के इस टुकड़े का इस्तेमाल उसकी खनिज संरचना और रासायनिक बनावट की जांच के लिए किया गया। चट्टान में मिले खनिज और उनकी बनावट बताते हैं कि मंगल पर कभी पानी मौजूद था। पानी के संपर्क में आने से चट्टान के कुछ खनिजों में बदलाव हुआ था।

यह जानकारी इसलिए अहम है, क्योंकि इससे वैज्ञानिक समझ सकते हैं कि शुरूआती मंगल का वातावरण कैसा था और वहां पानी की मौजूदगी कितनी थी। इससे यह जानने में भी मदद मिल सकती है कि समय के साथ मंगल पर पानी कैसे कम हुआ। हालांकि, पानी के संकेत मिलने का मतलब यह नहीं है कि मंगल पर कभी जीवन भी था। इसके लिए अभी और अध्ययन की जरूरत है। वैज्ञानिकों ने मंगल की परिक्रमा कर रहे ऑर्बिटर से मिले आंकड़ों की तुलना इस चट्टान के खनिजों और रासायनिक संरचना से की। इसके आधार पर मंगल पर 13 ऐसी जगहों की पहचान हुई, जहां से यह चट्टान आ सकती है। इनमें से कई जगहें मंगल के दक्षिणी हिस्से में मौजूद ऊंचे और गड्ढों वाले इलाके में हैं। हालांकि, इसकी सही जगह की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

Nagaland State Lotteries
DEAR
SHINE TUESDAY WEEKLY LOTTERY
01:00 PM
Draw No : 53 **Price** ₹7/- Draw Date on : 03/11/26
1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **96A 10731**
SOLD BY : SELLER - DHARMA LOTTERY - BUDBUD & SUB-STOCKIST - JOY GURU LOTTERY AGENCY - BUDBUD
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **10731**
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-
04243 37214 40421 44820 51979
55489 79091 91051 92688 94686
3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-
0084 0272 3698 4608 5695 7851 7979 8169 8245 8396
4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-
0389 0955 1383 2167 2321 3769 5380 5496 7176 8770
5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-
0101 1238 2516 3713 4563 5785 6977 7741 8278 9252
0310 1299 2764 3719 4621 5814 6983 7781 8436 9312
0490 1305 2781 3784 4638 5843 6994 7825 8608 9393
0575 1342 2867 3816 4981 5878 7044 7836 8610 9404
0592 1582 2979 3819 4984 5960 7353 7840 8657 9408
0697 1645 3063 3859 5006 6362 7394 7934 8697 9486
0710 1955 3073 3933 5017 6558 7403 7941 8812 9584
0820 2294 3117 4039 5039 6602 7489 8003 9017 9801
1054 2381 3164 4183 5161 6647 7538 8023 9075 9861
1179 2443 3499 4443 5362 6888 7581 8243 9157 9978
01:00 PM
Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On :
nagalandlotteries.com/livedraw

Sikkim State Lotteries
DEAR
PRESTIGE TUESDAY WEEKLY LOTTERY
06:00 PM
Draw No:57 **Price** ₹7/- Draw Date on : 03/11/26
1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **86B 59289**
SOLD BY : SELLER - BISHWANATH GARAI - ORGRAM & SUB-STOCKIST - THE TARA MAA LOTTERY AGENCY & XEROX CENTER - KESABGANJ CHATTI
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **59289**
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-
03909 10765 13964 16203 42717
57504 67457 77551 81954 96903
3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-
1016 2224 2489 4832 4906 5979 7415 7535 8681 9797
4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-
0820 1177 3426 3436 6200 6941 7129 7184 7508 8194
5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-
0014 0757 1803 2907 4446 5564 6420 6977 7851 8418
0088 0848 1894 2994 4500 5651 6474 6991 7946 9208
0181 0890 2010 3111 4592 5868 6639 7053 7955 9229
0221 0959 2153 3322 4651 5914 6701 7179 7967 9250
0391 1054 2245 3529 4759 5961 6733 7213 7973 9279
0423 1272 2359 3579 5001 6035 6795 7509 8001 9291
0565 1536 2366 3696 5014 6042 6821 7678 8086 9350
0608 1636 2415 3858 5117 6130 6844 7715 8291 9518
0614 1687 2772 3944 5200 6190 6870 7744 8339 9667
0741 1784 2801 4370 5409 6373 6888 7762 8384 9871
06:00 PM
Issued by :The Principal Director, Sikkim State Lotteries, Gangtok
Watch Live Draw On :
sikkimlotteries.com/livedraw

Nagaland State Lotteries
DEAR
DESTINY TUESDAY WEEKLY LOTTERY
08:00 PM
Draw No:53 **Price** ₹7/- Draw Date on:03/11/26
1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **55J 48301**
SOLD BY : SELLER - DEBABRATA DAN - KOYAR & SUB-STOCKIST - NEW SARBAMANGALA AGY AND XEROX CENTER - SEHERABAZAR
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **48301**
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-
01655 03096 15752 25560 31605
45310 52780 75214 77530 86425
3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-
0372 0428 0909 3216 5577 5827 5956 6599 8472 9064
4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-
3680 4112 4828 7122 7517 7577 8352 8640 9566 9587
5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-
0057 0714 2020 3065 3673 4949 5698 6532 7625 8775
0156 0929 2035 3198 3804 4987 5715 6656 7846 9040
0164 1006 2060 3213 3880 5091 5853 6816 7921 9061
0367 1229 2108 3234 4093 5149 6043 6827 7976 9206
0413 1362 2470 3236 4118 5289 6175 6828 8406 9225
0555 1652 2654 3271 4188 5292 6256 7006 8430 9722
0622 1732 2692 3379 4375 5459 6357 7111 8432 9779
0632 1744 2805 3423 4588 5534 6415 7411 8527 9808
0640 1907 2919 3492 4737 5586 6454 7509 8655 9915
0664 1984 2945 3629 4894 5666 6466 7511 8741 9920
08:00 PM
Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On :
nagalandlotteries.com/livedraw
* TDS 2% UNDER SECTION 393(3) IT ACT 2025 SHALL BE DEDUCTED ON SELLERS PRIZE AMOUNT W.E.F. 01.04.2026
PLEASE CHECK THE RESULTS WITH RELEVENT OFFICIAL GOVERNMENT GAZATTE

प्रथम प्रकाशन 1878
भारतमित्र

शिक्षकों की बर्बरता का शिकार बने दो मासूम

रूपनारायणपुर में शिक्षिका ने मासूम छात्रा को डंडे से पीटा, मिले चोट के निशान



रूपनारायणपुर/ हीरापुर । शिल्पांचल में बच्चों के साथ शिक्षकों की बर्बरता के दो मामले सामने आए हैं । रूपनारायणपुर में ट्यूशन पढ़ने गई एक मासूम छात्रा के साथ शिक्षिका द्वारा बेरहमी से मारपीट किए जाने का गंभीर आरोप सामने आया है। दूसरी तरफ आसनसोल के हीरापुर थाना अंतर्गत ध्रुवडंगाल इलाके में 10 वर्षीय बच्चे के साथ यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप एक शिक्षक पर लगा है। आरोप है कि पढ़ाई याद नहीं करने पर शिक्षिका ने बच्ची की डंडे से पिटाई की, जिससे उसके चेहरे, आंख, हाथ और पैरों पर चोट के निशान पड़ गए। घटना के बाद बच्ची के माता-पिता ने रूपनारायणपुर फांड़ी पहुंचकर शिक्षिका के खिलाफ शिकायत की और न्याय की मांग की।

जानकारी के अनुसार, आशीर्वाद लॉज निवासी अनल दास और परिणीता दास अपनी बेटी प्रियांशी दास को विनायक कॉम्प्लेक्स स्थित शिशु निकेतन की शिक्षिका गार्गी घोष के पास ट्यूशन पढ़ने भेजते थे। आरोप है कि घटना वाले दिन शाम करीब 4:30 बजे शिक्षिका ने बच्ची की मां को फोन कर बताया कि उसकी आंख के नीचे मौजूद फुंसी कट गई है और खून निकल रहा है।

इसके बाद शाम करीब 5:30 बजे जब बच्ची के पिता उसे लेने पहुंचे, तो शिक्षिका ने बताया कि हाथ की चूड़ी लगने से उसकी आंख के नीचे चोट आई है और उन्होंने दवा लगा दी है। हालांकि, घर पहुंचने के बाद बच्ची ने रोते हुए अपने माता-पिता को बताया कि पढ़ाई याद नहीं करने पर शिक्षिका ने डंडे से उसकी पिटाई की थी।

बच्ची के शरीर पर चोट और नीले निशान देखकर माता-पिता के होश उड़ गए। मां परिणीता दास ने आरोप लगाया कि शिक्षिका ने घटना को छिपाने के लिए उन्हें गलत जानकारी दी। वहीं, पिता अनल दास का कहना है कि शिक्षिका ने फोन पर बातचीत के दौरान इलाज का पूरा खर्च उठाने की पेशकश की और पुलिस के पास नहीं जाने का अनुरोध किया। हालांकि, अपनी बेटी के साथ कथित मारपीट से नाराज माता-पिता ने मामले को दबाने के बजाय रूपनारायणपुर फांड़ी पहुंचकर पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, आरोपी शिक्षिका गार्गी घोष की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

10 वर्षीय बच्चे का यौन उत्पीड़न, शिक्षक गिरफ्तार



आसनसोल के हीरापुर थाना अंतर्गत ध्रुवडंगाल इलाके में 10 वर्षीय बच्चे के यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप एक शिक्षक पर लगा है। घटना सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी शिक्षक ने बच्चे के परिवार को बताया था कि उनका बच्चा पढ़ाई में काफी कमजोर है और उसे अतिरिक्त पढ़ाई की जरूरत है। इसी का हवाला देते हुए शिक्षक ने बच्चे को अपने घर भेजकर अलग से पढ़ाने का प्रस्ताव दिया था। परिवार ने शिक्षक की बातों पर भरोसा कर बच्चे को उनके घर भेजा था। आरोप है कि अतिरिक्त कक्षा के बहाने बच्चे को अपने घर बुलाकर शिक्षक ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद बच्चे के परिजनों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हीरापुर थाने में आरोपी शिक्षक के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे अदालत में पेश किया गया। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। वहीं, एक मासूम बच्चे के साथ इस तरह की घटना के आरोप ने अभिभावकों की चिंता भी बढ़ा दी है।

दुगार्पुर के होटलों में बासी और सड़ा-गला भोजन बरामद

फ्रिज में इंसानी भोजन के साथ मिला कुत्तों का खाना



दुगार्पुर । होटल और रेस्तरां में भोजन करने वाले ग्राहकों की सेहत और सुरक्षा को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। दुगार्पुर के मुचिपाड़ा इलाके में खाद्य सुरक्षा विभाग, दुगार्पुर नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने कई होटलों में छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के रखरखाव और रसोई की साफ-सफाई की जांच की। इस दौरान कई होटलों से बासी, पुराने और सड़े-गले खाद्य पदार्थ बरामद किए गए।

जांच के दौरान सबसे चौंकाने वाली स्थिति तब सामने आई, जब एक फ्रिज में इंसानों के खाने-पीने की सामग्री के साथ कुत्तों का भोजन भी रखा हुआ मिला। इस लापरवाही ने खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण और स्वच्छता व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

संयुक्त टीम ने होटलों की रसोई, खाद्य सामग्री रखने के स्थान और भोजन के भंडारण की व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान कई जगहों पर साफ-सफाई और खाद्य पदार्थों के रखरखाव में खामियां देखने को मिलीं।

मुचिपाड़ा में खाद्य सुरक्षा विभाग, नगर निगम और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

कार्रवाई के बाद मुचिपाड़ा इलाके के होटल व्यवसायियों में हड़कंप मच गया है। वहीं, जांच में सामने आई तस्वीरों से ग्राहकों की चिंता भी बढ़ गई है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जिन होटलों में वे परिवार के साथ भोजन करने जाते हैं, वहां उनकी सेहत और खाद्य सुरक्षा का कितना ध्यान रखा जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा को लेकर हुई इस संयुक्त कार्रवाई ने एक बार फिर होटल और रेस्तरां में स्वच्छता तथा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित जांच की आवश्यकता को उजागर किया है।

काली और छठ पूजा को लेकर बाराबनी थाने में बैठक

65 पूजा कमेटियों के प्रतिनिधि शामिल



बाराबनी । काली पूजा और छठ पूजा को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने को लेकर मंगलवार को बाराबनी थाना परिसर में प्रशासन की ओर से पूजा कमेटियों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। आसनसोल-दुगार्पुर पुलिस कमिश्नरेट के निर्देश पर आयोजित इस बैठक में दोनों पर्वों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आसनसोल-दुगार्पुर पुलिस कमिश्नरेट के एसीपी मिहिर डे उपस्थित रहे। इसके अलावा बाराबनी के प्रखंड विकास पदाधिकारी सौमेन पाल, थाना प्रभारी दिव्येंदु मुखर्जी, समाजसेवी स्वपन राय और मिलन बनर्जी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

बैठक में काली पूजा की लगभग 50 और छठ पूजा की करीब 15 कमेटियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने पूजा के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करने, सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने, भीड़भाड़ को नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों ने पूजा कमेटियों से प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय बनाकर त्योहार मनाने तथा किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचने की अपील की। वहीं, समाजसेवी मिलन बनर्जी ने भी अपने विचार रखते हुए सभी पूजा कमेटियों से शांतिपूर्ण एवं सफल आयोजन के लिए आपसी सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया।

दुर्गापुर : ईआईएचपीएल के गेट पर ग्रामीणों का धरना

स्थानीय रोजगार और गांवों के विकास की मांग



दुर्गापुर। स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने, ग्रामीणों के प्रति कंपनी प्रबंधन के व्यवहार में सुधार करने और आसपास के गांवों का समुचित विकास करने की मांग को लेकर मंगलवार सुबह से दुगार्पुर के इछापुर और हेतेडोबा इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। ईस्ट इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (ईआईएचपीएल) के गेट नंबर-1 के सामने बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण शांतिपूर्ण धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी प्रबंधन के समक्ष तीन सूत्री मांगें रखते हुए स्पष्ट किया कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, बल्कि मांगों को पूरा करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी लंबे समय से इलाके में अपना कारोबार संचालित कर रही है, लेकिन इसके बावजूद आसपास के गांवों के लोगों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है। स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिलना, ग्रामीणों के साथ प्रबंधन का व्यवहार और गांवों में बुनियादी सुविधाओं एवं विकास कार्यों की कमी प्रमुख मुद्दे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी के संचालन से स्थानीय क्षेत्र को भी विकास का लाभ मिलना चाहिए। स्थानीय लोगों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुनकर उनका समाधान करना प्रबंधन की जिम्मेदारी है।

धरने पर बैठे ग्रामीणों ने साफ कर दिया कि जब तक कंपनी प्रबंधन उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर ठोस पहल नहीं करता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। फिलहाल कंपनी के गेट नंबर-1 के सामने ग्रामीणों का शांतिपूर्ण धरना जारी है।

पूर्व तृणमूल अंचल अध्यक्ष के घर हमला व लूटपाट का आरोप

20-25 लोगों पर तोड़फोड़ का दावा



पांडवेश्वर । नामूपाड़ा इलाके में पूर्व तृणमूल कांग्रेस अंचल अध्यक्ष यमुना धीवर के घर पर हमला, तोड़फोड़ और लूटपाट किए जाने का गंभीर आरोप सामने आया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, सोमवार रात करीब 11 बजे 20 से 25 लोगों का एक समूह लाठी, डंडे और सब्बल लेकर उनके घर पहुंचा और जमकर तोड़फोड़ की। आरोप है कि इस हमले में हाल ही में भाजपा में शामिल हुए कुछ लोग भी शामिल थे। घटना को लेकर इलाके में राजनीतिक तनाव और चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। मामले की पूरी सच्चाई जांच के बाद ही सामने आ सकेगी।

बाराबनी में पुलिस ने चलाया नशामुक्ति व साइबर जागरूकता अभियान

माइकिंग कर लोगों को दी गई ठगी से बचने की सलाह



बाराबनी । नशे के बढ़ते दुष्प्रभाव और साइबर अपराध के प्रति आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को बाराबनी थाना पुलिस की ओर से विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। आसनसोल-दुगार्पुर पुलिस कमिश्नरेट के निर्देश पर दोमोहानी बाजार के हाटतला परिसर में नशामुक्ति एवं साइबर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने बाजार पहुंचे लोगों, राहगीरों और स्थानीय निवासियों को नशे की लत से होने वाले सामाजिक एवं शारीरिक नुकसान के बारे में जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराधियों के नए-नए तरीकों से लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई। माइकिंग के जरिए भी लोगों को जागरूक करते हुए अनजान फोन कॉल, संदिग्ध लिंक और ऑनलाइन ठगी से बचने के उपाय बताए गए।

पुलिस ने लोगों से नशे से दूर रहने तथा किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी, ओटीपी और अन्य निजी विवरण साझा नहीं करने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि थोड़ी सी सतर्कता साइबर ठगी से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।इस अभियान में बाराबनी थाना के सब-इंस्पेक्टर जयंत दुले, तन्मय साहा, फाल्गुनी बनर्जी तथा एलएस-ाआई इतु घोष सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

रेलपार में खुलेआम कचरा जलाने से लोग परेशान

जहरीले धुएं और दुर्गंध से जीना मुहाल



आसनसोल । आसनसोल उत्तर थाना क्षेत्र के रेलपार स्थित बाबू तालाब और शेर तालाब इलाके में खुलेआम कचरा जलाए जाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रोजाना बड़े पैमाने पर कचरे के ढेर में आग लगाए जाने से निकलने वाला जहरीला धुआं और दुर्गंध स्थानीय लोगों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आसपास की बैग फैक्ट्रियों, कारखानों और छोटे-बड़े गोदामों से कचरा लाकर इन इलाकों में जमा किया जाता है। इसके बाद कचरे के ढेर में खुलेआम आग लगा दी जाती है। इससे निकलने वाला जहरीला धुआं आसपास के घरों में फैल जाता है, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी होती है। वहीं, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर बंगाल मिरर लगातार खबरों के माध्यम से प्रशासन का ध्यान आकर्षित करता रहा है। इसके बावजूद कचरा जलाने की गतिविधियों पर रोक नहीं लग पाई है। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि बार-बार मामला सामने आने के बाद भी जिम्मेदार विभागों की ओर से स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है।

7 नवंबर से गांधी मैदान में सजेगा मां काली का दरबार

नयी पूजा कमेटी का गठन

नियामतपुर । कुल्टी के गांधी मैदान में आगामी 7 नवंबर से कुल्टी इस्को मेन गेट काली पूजा कमेटी की ओर से भव्य काली पूजा का आयोजन किया जाएगा। पूजा की तैयारियों और आयोजन को लेकर मंगलवार को गांधी मैदान स्थित कमेटी कार्यालय में पत्रकार सम्मेलन किया गया। इस दौरान पूजा के सफल आयोजन के लिए नई कमेटी के गठन की भी जानकारी दी गई।

पत्रकार सम्मेलन में कुल्टी मंडल-2 के अध्यक्ष मनमोहन राय मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं पूजा कमेटी के अध्यक्ष रामचंद्र महतो, सचिव जितेंद्र राय और संयोजक सोमनाथ माझी सहित पारमिता पटनायक, देबलीना साहा, राजेश पांडे, अरूप मंडल, अचिंत्य माझी, कल्पना राय और अरूप मजूमदार समेत कमेटी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

कमेटी के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष काली पूजा को भव्य रूप देने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। 7 नवंबर से गांधी मैदान में श्रद्धालुओं के लिए मां काली की पूजा-अर्चना शुरू होगी। आयोजन को सफल बनाने के लिए कमेटी के सभी सदस्य तैयारियों में जुटे हैं।

बालबोधन हाई स्कूल में 135 विद्यार्थियों को मिली साइकिल

विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी ने किया वितरण

आसनसोल । आसनसोल के चांदमारी स्थित बालबोधन हाई स्कूल में सोमवार को राज्य सरकार की ह्यसारथीह्न परियोजना के तहत साइकिल वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान कक्षा नौवीं के ए और बी सेक्शन के करीब 135 छात्र-छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई। कार्यक्रम में आसनसोल उत्तर के भाजपा विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी ने विद्यार्थियों को साइकिल वितरित करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों के स्कूल आने-जाने की परेशानी को कम करना और उनकी शिक्षा को सुगम बनाना है।

दुर्गापुर में दवा दुकान मालिक के घर पुलिस की छापेमारी

285 बोतल फेंसिडिल समेत नशीले पदार्थ बरामद, आरोपी गिरफ्तार

दुर्गापुर । पश्चिम बंगाल के औद्योगिक शहर दुगार्पुर में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक दवा दुकान के मालिक को गिरफ्तार किया है। न्यू टाउनशिप थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर आरोपी के घर से 285 बोतल कोडीन फॉस्फेट युक्त फेंसिडिल सिरप, प्रतिबंधित टैबलेट और गांजे के कई पैकेट बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुदीप मुखर्जी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह एक दवा दुकान का संचालन करता है। पुलिस की इस कार्रवाई में उसके घर से इतनी बड़ी मात्रा में नशीले और प्रतिबंधित पदार्थ मिलने के बाद इलाके में हलचल मच गई है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी के पास नशीले पदार्थों का भंडार मौजूद है। इसके बाद न्यू टाउनशिप थाना पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से उसके घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान फेंसिडिल सिरप की 285 बोतलों के अलावा प्रतिबंधित टैबलेट और गांजे के कई पैकेट बरामद किए गए। एक दवा दुकान के मालिक के घर से इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की बरामदगी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी इन प्रतिबंधित पदार्थों को कहां से लाता था और क्या इनके जरिए किसी बड़े नशीले पदार्थों के कारोबार को संचालित किया जा रहा था। साथ ही, इस मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

डिसेरगढ़ कोलियरी में मजदूरों का धरना जारी

श्रमिक यूनियन गठन की मांग



डिसेरगढ़। ईसीएल प्रबंधन के खिलाफ डिसेरगढ़ कोलियरी में मजदूरों का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। श्रमिकों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर प्रबंधन की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक वे धरना स्थल से नहीं हटेंगे। धरने पर बैठे एक श्रमिक ने कहा कि उनकी मांग बहुत स्पष्ट है। श्रमिकों का अपना एक यूनियन और संगठन होना चाहिए, ताकि वे एकजुट होकर अपनी समस्याओं और अधिकारों की आवाज उठा सकें। श्रमिक ने बताया कि सुबह से शाम तक ईसीएल प्रबंधन के अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे और मजदूरों के साथ बातचीत की। हालांकि, बातचीत के दौरान प्रबंधन की ओर से बार-बार दस्तावेज (पेपर) प्राप्त करने की बात कही गई। इस पर श्रमिकों का कहना था कि वे पहले ही संबंधित दस्तावेज प्राप्त कर चुके हैं। ऐसे में बार-बार पेपर रिसीव करने की बात कहने का कोई औचित्य नहीं है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उनकी मूल मांग पर अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि केवल बातचीत से आंदोलन समाप्त नहीं होगा। जब तक श्रमिकों के यूनियन और संगठन से जुड़ी मांग पर प्रबंधन कोई ठोस फैसला नहीं लेता, तब तक उनका धरना और विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

दुर्गापुर में सड़क पर पानी के छींटे पड़ने को लेकर बवाल

महिला ने पत्थर से पावर ग्रिड कर्मचारी का सिर फोड़ा

यूट्यूब चैनल मालिक हिरासत में



दुर्गापुर । पश्चिम बर्दवान जिले के दुगार्पुर में सड़क पर जमा गड्ढे का पानी बाइक सवार पर पड़ने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि विवाद के दौरान एक महिला ने पत्थर से हमला कर पावर ग्रिड के एक कर्मचारी का सिर फोड़ दिया। हमले में कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद न्यू टाउनशिप थाना पुलिस ने मौके से एक यूट्यूब चैनल के मालिक को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह सड़क पर जमा पानी से छींटे पड़ने को लेकर बाइक सवार और पावर ग्रिड कर्मचारी के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मामला मारपीट तक पहुंच गया। इसी दौरान आरोप है कि एक महिला ने सड़क किनारे से पत्थर उठाकर कर्मचारी के सिर पर जोरदार हमला कर दिया। हमले में कर्मचारी के सिर से काफी खून बहने लगा। घटना के बाद घायल कर्मचारी को तत्काल दुगार्पुर महकमा अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें भर्ती कराकर इलाज शुरू किया गया। इधर, घटना की सूचना मिलते ही न्यू टाउनशिप थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से ही एक यूट्यूब चैनल के मालिक को हिरासत में ले लिया। हालांकि, विवाद में उनकी कथित भूमिका को लेकर पुलिस की ओर से अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

मामूली सड़क विवाद के हिंसक रूप लेने और एक कर्मचारी के गंभीर रूप से घायल होने की घटना से इलाके में हलचल मच गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

पटना में जेपी गंगा पथ का बिहटा तक होगा विस्तार, 30 मिनट में पूरा होगा सफर, 4 जिलों को फायदा



पटना, एजेंसी। पटना जिले में जेपी गंगा पथ के विस्तार की योजना पर काम आगे बढ़ रहा है. दीघा-शेरपुर-बिहटा (कोईलवर पुल के पहुंच पथ) तक करीब 35.65 किलोमीटर लंबाई में इस सड़क का निर्माण किया जाना है. बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, इस परियोजना का उद्देश्य पटना की कनेक्टिविटी को और मजबूत करना है. जेपी गंगा पथ के बिहटा तक विस्तार से राजधानी पटना और आसपास के क्षेत्रों के बीच आवागमन आसान होने की उम्मीद है. इस मार्ग के विकसित होने से बिहटा और पश्चिमी पटना की ओर आने-जाने वाले लोगों को लाभ मिल सकता है. साथ ही, क्षेत्र में बढ़ती आबादी और यातायात के दबाव को देखते हुए सड़क संपर्क बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी. दीघा-शेरपुर-बिहटा मार्ग का विकास पटना के पश्चिमी हिस्से के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है. बेहतर सड़क संपर्क से लोगों के यात्रा समय में कमी आने और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है. पथ निर्माण विभाग की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, इस सड़क के बनने से पटना से कोईलवर का सफर पहले की तुलना में आसान और तेज हो सकता है. यात्रा में करीब डेढ़ घंटे की बचत होने का अनुमान है और सफर लगभग 30 मिनट में पूरा हो सकेगा. प्रस्तावित परियोजना में दीघा-दीदारगंज जेपी गंगा पथ की तर्ज पर गंगा और सोन के किनारे एलिवेटेड रोड बनाने की योजना है.

बिहार शिक्षा विभाग की डीपीओ के कई ठिकानों पर ईओयू की छापेमारी, 2 करोड़ से अधिक की संपत्ति का खुलासा

किशनगंज/कटिहार, एजेंसी। बिहार के



किशनगंज और कटिहार में आर्थिक अपराध इकाई की टीम रूबी कुमारी के चार ठिकानों पर छापेमारी कर रही है. रूबी कुमारी शिक्षा विभाग में सर्व शिक्षा अभियान में डीपीओ के पद पर कार्यरत हैं. इस कार्रवाई की जानकारी किशनगंज में छापेमारी के लिए पहुंची ईओयू टीम के डीएसपी जानीफुद्दीन ने दी. डीएसपी के मुताबिक रूबी कुमारी ने बड़े पैमाने पर संपत्ति अर्जित की है. किशनगंज, कटिहार, पटना समेत अन्य जगहों पर इसको लेकर छापेमारी हो रही है. रूबी कुमारी मूलतः कटिहार जिले की रहने वाली हैं और किशनगंज में पदस्थापित हैं. कटिहार के ऑफिसर्स कॉलोनी स्थित घर और निजी अपार्टमेंट में भी छापेमारी की जा रही है.

बरेली में भाजपा की पदयात्रा राहुल गांधी पर बरसे जेपी नड्डा

बरेली, एजेंसी। बरेली में भाजपा की ओर से मंगलवार को शहर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा निकाली गई। यह पदयात्रा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं पार्टी के पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में निकाली गई। इसमें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी समेत पार्टी के कई पदाधिकारी शामिल हुए। पदयात्रा में जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और समर्थकों समेत करीब 30 हजार लोगों के शामिल होने का दावा किया गया है। पदयात्रा से पहले जेपी नड्डा ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधा। कहा कि विपक्ष चुनाव में हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ता है। हारने के बाद चुनाव आयोग को बेईमान बताते हैं। जेपा नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने वोट चोरी का रिकॉर्ड बनाया है। 70 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली इस स्थिति में कांग्रेस है। बांग्लादेशियों के वोट बनाकर चुनाव



जीतते रहे, अब इन्हें हटाया जा रहा है तो चिल्ला रहे हैं। कांग्रेस सरकार में चुनाव आयोग के अध्यक्ष को रेवड़ियों की तरह राज्यपाल और अन्य अहम पद दिए गए पर अब ज्ञानेश कुमार पर ऊंगली उठा रहे हैं।नड्डा ने कहा कि एसआईआर का नाम बोलकर राहुल गांधी ने मधुमक्खी के छत्ते में हाथ डाल दिया है। घुसपैठिये देश को नहीं चलाएंगे, ये वो समझ लें। कांग्रेस को जनता धिक्कार रही है। इस बार भी यही होगा। जो थके हारे हैं और लोगों को बरगला रहे हैं, उन्हें करारा जवाब देना जरूरी है। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि विपक्ष को किसानों की समस्याओं और उनकी जरूरतों की जानकारी तक नहीं है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं ने कभी किसानों के बीच जाकर उनकी समस्याएं उठाने का काम नहीं किया। आज विपक्ष इथेनॉल का विरोध कर रहा है, लेकिन गन्ना किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने की बात नहीं करता। जयंत चौधरी ने कहा कि जब वह विपक्ष में थे, तब एक बार प्रदेश सरकार ने गन्ने का मूल्य घोषित किया था। वह उसी दिन तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मिले और उन्हें इसकी जानकारी दी। उन्हें गन्ने के मूल्य निर्धारण की जानकारी तक नहीं थी। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी है कि किसानों के हितों पर नजर रखें और उनके मुद्दों को उठाएं। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान एनडीए में शामिल होने पर उन्होंने किसानों से वादा किया था कि प्रदेश सरकार गन्ने का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक देगी। सरकार ने यह वादा पूरा किया है।

आजम खां पर मंडरा रही है एक और मुसीबत, शत्रु संपत्ति पर कब्जे के मामले की शुरू हो सकती है जांच

लखनऊ पूर्व मंत्री आजम खां के खिलाफ शत्रु संपत्ति पर कब्जे को लेकर दर्ज मामले उनकी मुश्किलों को बढ़ा सकते हैं। ईडी ने अपनी जांच में इसे भी शामिल किया है। अधिकारियों के मुताबिक आजम को दिवाली के बाद रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी जिसमें शत्रु संपत्ति और भ्रष्टाचार से जुड़े सवाल होंगे। इसके बाद उनके खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। दरअसल, आजम को दो पैनकार्ड मामले में हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद रिहा होते ही ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। ईडी की इस कार्रवाई से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आजम की विधानसभा चुनाव से पहले रिहाई आसान नहीं होगी। ईडी के पास जौहर ट्रस्ट और जौहर विश्वविद्यालय में हुई गड़बड़ियों की लंबी फेहरिस्त है, जिनके आधार पर उनसे गहन पूछताछ होनी है। उन्हें सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से भी तात्कालिक राहत नहीं मिल सकी जिससे उनकी रिहाई में अभी लंबा वक्त लग सकता है। वहीं ईडी के



अधिकारी आजम पर कानूनी शिकंजा कसने के लिए उनसे पूछे जाने वाले सवालों की फेहरिस्त तैयार करने में जुट गए हैं। इस मामले की मॉनीटरिंग ईडी मुख्यालय के स्पेशल डायरेक्टर द्वारा की जा रही है जिसकी वजह से गहनता से जांच की जा रही है। ईडी की कोशिश आजम के कुछ करीबियों को सरकारी गवाह बनाने की भी है ताकि केस को मजबूत किया जा सके।

एडीसीसीजीसी पाठ्यक्रम आसान करेगा कॅरिअर की राह



लखनऊ, एजेंसी। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला व बाल विकास संस्थान (एसपीएनआईडब्ल्यूसीडी) की ओर से बाल मार्गदर्शन और परामर्श में उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम (एडीसीसीजीसी) की शुरुआत हुई है। पहली बार विश्वविद्यालय ने इस पाठ्यक्रम की पढ़ाई के लिए 25 सीटों पर आवेदन लेने शुरू कर दिए हैं। इससे अभ्यर्थियों को प्रमाणित काउंसलर बनने का मौका मिलेगा। एसपीएनआईडब्ल्यूसीडी केंद्र सरकार के महिला व बाल विकास मंत्रालय की एक स्वायत्त संस्था है। जिसका एक केंद्र लखनऊ कुर्सी रोड पर स्थापित किया गया है। संस्थान की ओर से बाल मार्गदर्शन और परामर्श में उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम को बीबीएयू के सहयोग से शैक्षणिक सत्र 2026-27 से शुरू किया है। पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले विद्यार्थियों को अधिकृत रूप से प्रमाणित काउंसलर की मान्यता मिल जाएगी। जो किसी भी राज्य में मान्य होगा। ये पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद से मंजूर है। (संवाद)

ये है आवेदक की पात्रता- उम्मीदवारों के पास मनोविज्ञान, शिक्षा और मानव विकास और परिवार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिए। समाज कार्य में स्नातकोत्तर डिग्री, जिसमें अनारक्षित उम्मीदवारों के लिए 50 प्रतिशत और अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति उम्मीदवारों के लिए 45त्न अंक होने चाहिए। इस साल अंतिम वर्ष के परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे उम्मीदवार भी आवेदन करने के पात्र हैं।

बिल दूसरे राज्य का, माल उतर रहा यूपी में

लखनऊ , एजेंसी। जीएसटी में माल की निर्बाध आवाजाही के लिए ई वे बिल और वाहनों की जांच के नियमों में बदलाव का फायदा फर्जी कारोबारी उठा रहे हैं। दूसरे राज्यों के नाम पर ई वे बिल बनाकर माल की वास्तविक सप्लाई यूपी में ही की जा रही है। इससे राज्य कर विभाग के सामने टैक्स चोरी रोकने और वास्तविक कारोबारियों तक पहुंचने की चुनौती बढ़ गई है। जीएसटी परिषद की आठ अक्तूबर को हुई 57वीं बैठक में वाहनों की जांच को तर्कसंगत बनाने की सिफारिश की गई थी। इसके तहत सामान्य या रैंडम जांच के बजाय विशेष खुफिया सूचना के आधार पर संयुक्त आयुक्त या उससे ऊपर के अधिकारी की अनुमति से वाहन रोका जा सकेगा। जिस राज्य में माल भेजने वाला और पाने वाला दोनों पंजीकृत नहीं हैं, वहां के अधिकारी वाहन की जांच या माल जब्त नहीं कर सकेंगे। उन्हें गड़बड़ी की सूचना संबंधित राज्य को देनी होगी। हालांकि, ई वे बिल या माल के स्रोत और दस्तावेज नहीं होने पर ट्रांजिट राज्य कार्रवाई कर सकेगा।

ऐसे होता है खेल- फर्जी फर्में दूसरे राज्यों के जिलों में माल की सप्लाई दिखाती हैं, जबकि वास्तविक खरीदार यूपी में होता है। ई वे बिल और अन्य दस्तावेज बाहरी राज्यों की फर्मों के नाम पर बनाए जाते हैं, लेकिन माल यूपी में ही उतार दिया जाता है। ऐसे मामलों में यूपी के अधिकारियों के लिए जांच करना मुश्किल हो जाता है।

इन कारोबारों में बढ़ी गड़बड़ी- विभागीय

फर्जी फर्मों के जरिये बढ़ी गड़बड़ी



जांच में लोहे और एल्यूमीनियम स्क्रैप, स्टील, गैर-ब्रांडेड कपड़े, रेडीमेड गारमेंट, प्लास्टिक दाना, कागज और पैकेजिंग सामग्री में फर्जी इनवॉइस व ई वे बिल के मामले बढ़े हैं। प्लास्टिक कारोबार में फर्जी बिल और इनपुट टैक्स क्रेडिट का खेल भी बढ़ा है।

नई फर्मों पर निगरानी का सुझाव- अधिकारियों के मुताबिक, नई फर्म दो महीने में एक हजार ई वे बिल जारी कर सकती हैं। प्रत्येक बिल में 10 से 30 लाख रुपये का माल दिखाने पर कागजों में 100 से 300 करोड़ रुपये का कारोबार बन जाता है। बाद में फर्म बंद होने पर वसूली मुश्किल होती है।

विभाग ने नई और जोखिम वाली फर्मों को शुरुआत में सीमित ई वे बिल जारी करने और पहले 10 बिलों का विवरण देने के बाद अगले 25 व फिर 100 बिल जारी करने जैसी चरणबद्ध व्यवस्था लागू करने का सुझाव दिया है। इससे टैक्स चोरी पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है।

शीतलहर के दिनों के तेवर ठंडे करेगा अल नीनो, सामान्य से अधिक रहेगा तापमान, फसलों पर भी पड़ेगा असर

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में अल नीनो के प्रभाव से इस बार शीत लहर के दिन कम हो सकते हैं। मौसम विभाग के मुताबिक कानपुर परिक्षेत्र में औसतन 20 दिन रहने वाली शीतलहर की अवधि पांच से सात दिन घट सकती है। यानी इस बार शीतलहर के दिन 13 से 15 तक सिमट सकते हैं। वहीं, सर्दियों में तापमान सामान्य औसत से 0.5 से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रह सकता है। जाड़े में शीतलहर उस स्थिति को कहते हैं, जब तापमान सामान्य औसत से चार से पांच डिग्री तक नीचे चला जाता है। अल नीनो प्रशांत महासागर में होने वाली प्राकृतिक जलवायु घटना है। इसमें मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर की सतह का तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसका प्रभाव मानसून के साथ सर्दियों पर भी पड़ता है।

अल नीनो वाले वर्षों में ठंड सामान्य से कम रहती है- चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि अल नीनो वाले वर्षों में ठंड सामान्य से कम रहती है। इसका असर नवंबर से फरवरी के बीच तापमान पर दिखाई देता है। उन्होंने बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक अल नीनो वर्षों में सर्दियों का औसत तापमान सामान्य से 0.5 से 1.5 डिग्री तक अधिक बढ़ा रहता है।

घट जाती है कड़ाके की ठंड की अवधि- कुछ विशेष क्षेत्रों में यह अंतर दो डिग्री तक पहुंच जाता है। इससे रातों का तापमान भी सामान्य से 0.8 से एक डिग्री तक ऊपर रह सकता है और कड़ाके की ठंड की अवधि घट जाती है। नोडल अधिकारी ने बताया कि इस साल अल नीनो के प्रभाव के कारण देश में अक्तूबर का औसत अधिकतम तापमान इतिहास में सबसे गर्म 32.43 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.06 डिग्री अधिक था।

श्याम रजक बोले- निर्दलीय जीतकर पार्टी में शामिल होना गलत

पटना, एजेंसी। जेडीयू के वरिष्ठ विधायक श्याम रजक ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि किसी निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन देने का अधिकार राजनीतिक दलों के पास है. अगर भाजपा ने दोनों निर्दलीय प्रत्याशियों को समर्थन दिया है, तो इसमें नियमों के उल्लंघन का सवाल नहीं है. लेकिन श्याम रजक ने चुनाव जीतने के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होने पर सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीतने के बाद किसी पार्टी में शामिल होना अनैतिक और गलत है. अगर दोनों एमएलसी भाजपा में शामिल हुए हैं, तो यह उचित नहीं है. बंशीधर ब्रजवासी ने वीडियो जारी कर दी थी सफाई शनिवार को बंशीधर ब्रजवासी और राहुल राज के भाजपा में शामिल होने की खबर सामने आई थी. दोनों ने विधान परिषद चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर जीत दर्ज की थी. हालांकि, देर रात बंशीधर ब्रजवासी ने वीडियो जारी कर भाजपा में शामिल होने से इनकार कर दिया. उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से शिक्षकों के मुद्दों पर मिलने गए थे. मुख्यमंत्री ने उन्हें बातचीत के लिए बुलाया था. ब्रजवासी के इस बयान के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया.

दोनों निर्दलीय एमएलसी के भाजपा से जुड़ने के मामले में जन सुराज का प्रतिनिधिमंडल विधान परिषद के सभापति से मुलाकात करेगा. पार्टी इस घटनाक्रम पर कानूनी और संवैधानिक पहलुओं को लेकर अपना पक्ष रख सकती है.

राहुल राज की बीजेपी में वापसी पर भड़के उमेश कुशवाहा, पूछा- 6 साल के निष्कासन के बाद इतनी जल्दी क्यों दी एंट्री

पटना, एजेंसी। बिहार विधान परिषद चुनाव के नतीजों के बाद एनडीए के भीतर खींचतान बढ़ती दिख रही है. निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतने वाले राहुल राज और बंशीधर ब्रजवासी के भाजपा से जुड़ने को लेकर जेडीयू ने सवाल उठाए हैं. जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने खास तौर पर राहुल राज की भाजपा में वापसी पर आपत्ति जताई है. उन्होंने सवाल किया कि जिस व्यक्ति को पार्टी ने छह साल के लिए निष्कासित किया था, उसे इतनी जल्दी दोबारा शामिल करने की क्या जरूरत पड़ गई?

उमेश कुशवाहा ने कहा कि भाजपा और उसके शीर्ष नेतृत्व को इस पूरे मामले पर विचार करना



चाहिए. उनके बयान से साफ है कि जेडीयू इस घटनाक्रम को सामान्य राजनीतिक फैसला मानकर आगे बढ़ने के मूड में नहीं है. विधान परिषद चुनाव में दोनों सीटों पर जेडीयू उम्मीदवारों को निर्दलीय प्रत्याशियों से हार मिली थी. अब उन्हीं विजयी उम्मीदवारों के भाजपा से जुड़ने को लेकर गठबंधन में सवाल उठ रहे हैं.जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष ने राहुल राज की भाजपा में वापसी के समय और परिस्थितियों पर सवाल खड़ा किया है. उनका कहना है कि जब भाजपा ने उन्हें छह साल के लिए निष्कासित किया था, तो इतनी जल्दी पार्टी में दोबारा शामिल करने का फैसला कैसे लिया गया? उमेश कुशवाहा ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से इस पर विचार करने की बात कही. हालांकि, उन्होंने अपने बयान में राहुल राज की वापसी के पीछे की परिस्थितियों को लेकर कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी.

वैशाली ड्रग सिंडिकेट का 'असम कनेक्शन', पति-पत्नी समेत तीन गिरफ्तार, कमरे में बिखरे मिले लाखों रुपये

वैशाली, एजेंसी। बिहार के वैशाली जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस और जांच एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है. बिदुपुर थाना क्षेत्र के माइल गांव स्थित बगुलिया गाछी में संयुक्त टीम ने छापेमारी कर नशे के कारोबार में कथित रूप से संलिप्त तीन लोगों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपितों में पति-पत्नी भी शामिल हैं. सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि मध्य निषेध विभाग, राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो पटना और वैशाली पुलिस की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की. मौके से नीरज कुमार, उनके पिता पवन ठाकुर और नीरज की पत्नी को गिरफ्तार किया गया. तीनों माइल गांव के निवासी हैं. छापेमारी के दौरान टीम को छोटे डिब्बे में रखे तीन पैकेट और बड़े डिब्बे में रखे छह पैकेट मिले. इन सभी पैकेटों से कुल 119.29 ग्राम मादक पदार्थ बरामद हुआ। इसके अलावा मौके से 12,33,160 रुपये नकद भी जब्त किए गए। इतनी बड़ी रकम



की बरामदगी ने जांच एजेंसियों को सतर्क कर दिया है. एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि यह गिरोह असम से नशीले पदार्थों की तस्करी कर लाता था और वैशाली सहित आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में इसकी आपूर्ति करता था. पुलिस अब बरामद किए गए ?12.33 लाख की नकदी के मुख्य स्रोत का पता लगाने में जुटी है कि यह अवैध पैसा कहां से आया था और इसे आगे कहां भेजा जाना था. इस संगठित सिंडिकेट को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए पुलिस टीम ड्रग्स की इस पूरी सप्लाई चेन और नेटवर्क में शामिल अन्य तस्करों की तलाश कर रही है. 'एक ही ठिकाने से मादक पदार्थ के साथ लाखों रुपये मिलने के बाद इलाके में नशे के बड़े नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका है. पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि मादक पदार्थ की आपूर्ति कहां से होती थी और इसकी बिक्री किन-किन इलाकों में की जाती थी. जांच एजेंसियां जब्त नकदी के स्रोत और कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही हैं. गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर सप्लाई चेन, खरीद-बिक्री और संभावित सहयोगियों की जानकारी जुटाई जा रही है. कार्रवाई के बाद जांच एजेंसियां नशे के इस अवैध कारोबार की जड़ तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं.तीनों आरोपितों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है. इस सफलता से इलाके में नशे के अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों में भी हड़कंप मचा हुआ है. पुलिस का कहना है कि आगे और गिरफ्तारियां हो सकती है.

बिहार में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो का कहर, दो लोगों की मौत; वाहन छोड़कर हुए फरार



सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के सीतामढ़ी में मंगलवार सुबह सड़क हादसा हो गया. यहां बैरगनिया थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं. नंदवारा चौक के पास एक अनियंत्रित तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने मोपेड सवार दो मजदूरों को जोरदार टक्कर मार दी. हादसा इतना भयावह था कि दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई.

वहीं घटना के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया. मृतकों की पहचान सेखैना गांव निवासी हरिलाल ठाकुर और अशोगी गांव निवासी मंदेश पासवान के रूप में हुई है. दोनों राजमिस्त्री का काम करते थे और रोजी-रोटी के लिए सुबह घर से निकलकर ढेंग जा रहे थे.

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह हरिलाल ठाकुर और मंदेश पासवान अपने घर से मोपेड पर सवार होकर काम के सिलसिले में ढेंग के लिए निकले थे. दोनों राजमिस्त्री का काम कर परिवार का भरण-पोषण करते थे. रोज की तरह मंगलवार को भी वे मजदूरी करने जा रहे थे. इसी दौरान रास्ते में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी मोपेड को जोरदार टक्कर मार दी.

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोपेड सवार दोनों मजदूर सड़क पर जा गिरे. गंभीर रूप से कुचल जाने के कारण दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया. हादसे के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई. आसपास मौजूद लोग घटनास्थल की ओर दौड़े, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी.

हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक की संवेदनहीनता भी सामने आई. स्थानीय लोगों के अनुसार, दुर्घटना को अंजाम देने के बाद चालक स्कॉर्पियो को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया.

इंग्लैंड के खिलाफ मौका नहीं मिलने पर लिया फैसला

मैक्सवेल का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास



नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर 5 मैचों की टी20 सीरीज में नहीं चुने जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल ने सोमवार (3 नवंबर) को संन्यास का ऐलान कर दिया। 38 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी 1ह्य फर्स्ट-क्लास क्रिकेट और लिस्ट-ए मैचों से भी संन्यास ले लिया है। वह बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलना जारी रखेंगे, क्योंकि उनके अनुबंध को 2027-28 सीजन तक बढ़ा दिया गया है। मैक्सवेल ने पिछले साल जून में ही वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध रहे। उन्होंने 2026 में हुए टी20 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लिया, जहां उनकी टीम ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाई। फरवरी में ओमान के खिलाफ उस टूर्नामेंट का आखिरी मैच उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का भी आखिरी मैच साबित हुआ।

एमसीजी में खेलकर लेना चाहते थे विदाई

दो बार के वनडे विश्व कप विजेता और 2021 में ऑस्ट्रेलिया के टी20 विश्व चैंपियन बनने पर विजयी रन बनाने वाले मैक्सवेल की इच्छा थी कि वह अपने घरेलू मैदान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अपने देश के लिए एक आखिरी बार मैदान में उतर पाते, लेकिन उनकी यह हसरत पूरी नहीं हो सकी।

उस मैच में उन्होंने गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए, लेकिन उन्हें बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला।

ग्लेन मैक्सवेल ने क्या कहा?

मैक्सवेल ने 'द फाइनल वर्ड'पॉडकास्ट पर कहा,'टी20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में हमारी कई बार बातचीत हुई। और यह बातचीत काफी खुली थी। उस तरफ (ऑस्ट्रेलिया टीम मैनेजमेंट) से कोई दबाव नहीं था और हमने तय किया कि आगे के लिए रास्ते खुले रखे जाएं। कुछ सीरीज आने वाली थीं। वे भविष्य पर ध्यान देना चाहते थे और हमने बांग्लादेश में देखा कि वहां खिलाड़ियों को मौके मिले और उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।'

एमसीजी में खेलकर विदा होना चाहते थे मैक्सवेल

मैक्सवेल ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि एक छोटी सी उम्मीद या शायद इस पर बात होनी चाहिए थी कि मुझे एमसीजी में एक विदाई मैच खेलने का मौका मिल सकता है, लेकिन इस टीम को लेकर वे जिस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं मैं उसे पूरी तरह समझ सकता हूं। मुझे लगता है कि अगले 12 से 24 महीनों में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे, खासकर इसलिए क्योंकि (2028 में) ओलंपिक है। ऐसे में उन्हें कुछ युवा खिलाड़ियों पर नजर रखनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय दबाव का अनुभव मिले। एक ऐसा अनुभव जो शायद हमेशा बीबीएल के मैचों में नहीं मिल पाता।'

इंग्लैंड सीरीज को लेकर क्या बोले मैक्सवेल

इंग्लैंड की टीम व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया आने वाली है, जिसमें मेलबर्न में होने वाला एक टी20 मैच भी शामिल है। मैक्सवेल के मन में इस सीरीज के लिए खुद को तैयार करने का विचार आया था। उन्होंने कहा, 'यह एक विकल्प था, लेकिन मैं अपने घुटने में इंजेक्शन लगवाने के लिए भी तैयार था, ताकि यह पक्का हो सके कि मैं बीबीएल के लिए फिट रहूं। दोनों ही स्थितियों में कुछ न कुछ सकारात्मक था। जैसे ही वह मौका हाथ से निकल गया, मुझे अपने शरीर पर फिर से ध्यान देने का समय मिल गया।

बीबीएल के लिए तैयारी

मैक्सवेल ने आगे कहा, 'अब मैं 8 हफ्तों तक अच्छे से रिहैब करूंगा, ताकि मैं पूरी तरह मजबूत हो जाऊं और आने वाले बीबीएल के लिए तैयार रहूं। यह कुछ-कुछ उस परीकथा जैसा है, जिसमें आप अपने हीरो या आदर्शों को ऐसी स्थितियों से गुजरते हुए देखते हैं। आपका मन भी उसी दिशा में सोचने लगता है। शायद ही कोई और फॉर्मेट होता जिसके लिए मैं ऐसी इच्छा रखता, सिवाय इसके, जहां पिछले 15 सालों से मुझे बिल्कुल अपने घर जैसा महसूस होता रहा है।'

ग्लेन मैक्सवेल का करियर

ग्लेन मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 130 टी20 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 154.42 के स्ट्राइक रेट से 2897 रन बनाए हैं और 51 विकेट लिए हैं। इस फॉर्मेट में उनके नाम पांच शतक हैं, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। इस रिकॉर्ड में वे रोहित शर्मा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सात मैच खेले हैं, जिनमें से आखिरी मैच 2017 में था और कुल 339 रन बनाए हैं। रांची में भारत के खिलाफ बनाया

प्रेमा रावत ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। छक्के-चौकों की बारिश, जो बॉल सामने आई उसे बाउंड्री के पार पहुंचाया. उत्तराखंड की प्रेमा रावत ने सीनियर वीमेंस टी20 ट्रॉफी में ऐसा ही कमाल किया. दाएं हाथ की इस तूफानी बल्लेबाज ने हैदराबादी गेंदबाजों की धुनाई करते हुए सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया जो कि महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक है. प्रेमा रावत ने पाकिस्तान की फातिमा सना का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था. अब ये रिकॉर्ड प्रेमा के नाम है.

प्रेमा ने ऐसे ठोका सबसे तेज अर्धशतक – प्रेमा रावत चौथे नंबर पर बैटिंग करने उतरी. इस खिलाड़ी ने पहली गेंद डॉट खेली और उसके बाद छक्के चौकों की झड़ी लगा दी. प्रेमा ने दूसरी, तीसरी और चौथी गेंद पर चौका लगाया. इसके बाद उन्होंने एक गेंद



डॉट खेली. अगली गेंद पर छक्का लगाने के बाद उनसे एक बॉल और डॉट हुई. प्रेमा ने इसके बाद अगली 7 गेंदों पर 3 छक्के, 3 चौके और एक डबल लिया. इसके साथ ही उन्होंने 14 गेंदों में अर्धशतक जमा दिया. प्रेमा रावत ने अपनी 14 गेंदों की फिफ्टी में तीन गेंद डॉट खेली. अगर ऐसा ना होता तो सोचिए प्रेमा 11 गेंदों में अर्धशतक लगा सकती थीं.

प्रेमा रावत कौन हैं? – प्रेमा रावत उत्तराखंड के बागेश्वर जिले की रहने वाली हैं. उनके पिता केदार सिंह रावत भारतीय वायुसेना में हैं. प्रेमा ने गांव के खेतों में भाइयों के साथ क्रिकेट खेलना शुरू किया. प्रेमा का सफर आसान नहीं रहा. वो पहले एथलेटिक्स और फिर हॉकी खेलती थीं. उन्होंने राज्य स्तर और स्कूल गेम्स में हॉकी में हिस्सा लिया है. 12वीं क्लास के बाद उन्होंने पिता के साथ बातचीत के बाद क्रिकेट पर पूरा फोकस किया. परिवार ने उनका साथ दिया और घरेलू क्रिकेट में उत्तराखंड महिला टीम के लिए खेलना शुरू किया. 2023 सीनियर वीमेंस टी20 ट्रॉफी में उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लिए. उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2024 के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच बनीं. इसके बाद ड्रुक्क 2025 में उन्हें आरसीबी ने 1.2 करोड़ की बड़ी कीमत पर खरीदा.

फॉर्म में लौटे यशस्वी जायसवाल

टेस्ट सीरीज से पहले न्यूजीलैंड में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया की सबसे बड़ी टेंशन दूर हो गई है. भारतीय टीम की टेंशन यशस्वी जायसवाल के फॉर्म को लेकर थी, जो पिछली कुछ टेस्ट पारियों से हिचकोले खा रही थी, पिछली 9 पारियों में से 4 में तो वो खाता भी नहीं खोल पाए थे. लेकिन, अब सब ठीक है. यशस्वी फॉर्म में लौट आए हैं, जिसका प्रमाण है न्यूजीलैंड ए के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के आखिरी दिन उनके बल्ले से निकला शतक. यशस्वी ने ना सिर्फ धमाकेदार शतक जड़ा है बल्कि इस दमदार पारी के दौरान फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 5000 रन भी पूरे किए.

दर्द के आगे शतक है – यशस्वी जायसवाल को शतक तक पहुंचने के दौरान दर्द का भी सामना करना पड़ा. ये दर्द उन्हें तब मिला जब वो 87 रन पर खेल थे और दूसरी पारी में इंडिया ए की इनिंग का 32वां ओवर चल रहा था. न्यूजीलैंड ए के गेंदबाज जेरॉड मकॉय ने इस ओवर की दूसरी गेंद बाउंसर फेंकी, जो सीधा जाकर उनके हेलमेट पर जोर से लगी. गेंद हेलमेट पर लगने के बाद यशस्वी को दर्द हुआ और वो थोड़े परेशान दिखे. उनका कनक्शन टेस्ट हुआ. कनक्शन जांच के बाद हालांकि वो खेलने के लिए फिट पाए गए.

ये शतक नहीं 9 पारियों की नाकामी का अंत है – यशस्वी जायसवाल के लिए क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ जमाया शतक कितना खास है, उसका अंदाजा पिछली 9 पारियों के उनके आंकड़े देखकर लगाया जा सकता है. उन 9 पारियों में उनके नाम 4 डक के अलावा सिर्फ 1 फिफ्टी प्लस स्कोर है. उन 9 पारियों में 3 पारियां तो यशस्वी ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ ही खेली, जिसमें सिर्फ 21 रन उनके खाते में आए. लेकिन, अब न्यूजीलैंड ए के खिलाफ चौथी पारी में उन्होंने वो शतक जड़ दिया है, जो टीम इंडिया के साथ साथ करोड़ों भारतीय क्रिकेट फैंस को सुकून देने वाला है.

भारत-पाकिस्तान मैच का गजब जुनून, 84 लाख लोगों को चाहिए टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। जरा सोचिए कि अगले साल 10 अक्टूबर को क्या होगा? ऐसा इसलिए क्योंकि अगले साल 10 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच है, जिसके टिकट 84 लाख लोगों को चाहिए. भारत-पाकिस्तान के बीच 10 अक्टूबर 2027 को मुकाबला वनडे वर्ल्ड कप में खेला जाएगा, जो कि जोहानिसबर्ग के वांडरर्स मैदान पर होगा. अब हैरानी इसलिए है क्योंकि वांडरर्स मैदान की क्षमता सिर्फ 34000 दर्शकों की है. ICCमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2027 का फाइनल भी जोहानिसबर्ग के वांडरर्स मैदान पर ही 21 नवंबर को होना है, जिसके लिए कुल 9 लाख लोग टिकट की होड़ में हैं. टूर्नामेंट की शुरुआत 7 अक्टूबर को होगी, जो कि 2023 वर्ल्ड कप के फाइनल का ही रिपीट होगा. मतलब उसमें ऑस्ट्रेलिया और भारत की टीमें आमने-सामने होंगी.

भारत-पाक के ग्रुप में ये टीमें – भारत और पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के साथ एक ग्रुप में हैं. वहीं इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश, श्रीलंका और न्यूजीलैंड दूसरे ग्रुप में. ग्रुप स्टेज से दोनों ग्रुप से टॉप थ्री टीम के अलावा बेस्ट चौथे नंबर की टीम सुपर-7 स्टेज में जाएगी, जहां से टॉप की 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेगी.

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026

भारत ने दक्षिण कोरिया को 8-0 से रौंदा

लगातार 5वीं जीत के साथ शीर्ष पर रहा, दिलप्रीत सिंह ने दागे 2 गोल

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 हॉकी टूर्नामेंट में गत चैंपियन भारत का अजेय अभियान जारी है। भारतीय टीम ने सोमवार दो नंवबर 2026 को अपने पांचवें और आखिरी राउंड रॉबिन मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 8-0 से करारी शिकस्त देकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत 15 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर रहा। भारत की ओर से दिलप्रीत सिंह ने दो गोल किये, जबकि जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, संजय और अंगद बीर सिंह ने 1-1 गोल किया।

टूर्नामेंट का अंतिम चरण अब मोहाली में होगा। टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल मैच में बुधवार को भारत का सामना फिर दक्षिण कोरिया से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल मैच में मलेशिया का सामना जापान से होगा।

एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के बाद जापान, एशियन गेम्स की रजत पदक विजेता मलेशिया और दक्षिण कोरिया का स्थान रहा। इससे पहले भारत ने टूर्नामेंट में बांग्लादेश को 13-0, चीन को 5-2, जापान को 4-1 और मलेशिया को 4-2 से हराया था। स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह (8वें और 40वें मिनट) ने दो गोल किये, जबकि भारत के लिए अन्य गोल जुगराज सिंह (11वें), हरमनप्रीत सिंह (15वें), शिलानंद लकड़ा (33वें), सुखजीत सिंह (34वें), संजय (36वें) और अंगद बीर सिंह (60वें) ने किये।

भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की और चौथे मिनट में ही गोल करने का पहला प्रयास किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पास पर सुखजीत सिंह ने सर्कल के ऊपरी हिस्से से एक 'रिवर्स हिट' लगाई, लेकिन दक्षिण कोरिया के सतर्क गोलकीपर जेह्योन किम ने उसे अपने दस्तानों से रोक दिया।

चोला ग्रैंडमास्टर्स शतरंज

पांच खिलाड़ी संयुक्त बढ़त पर, प्रणेश और नारायणन भी शीर्ष पर पहुंचे

चेन्नई, एजेंसी। पहले चोला चेस ओपन इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के चौथे राउंड के बाद खिताबी दौड़ और रोमांचक हो गई है। अब पांच खिलाड़ी 3.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। ये हैं ग्रैंडमास्टर कार्तिकेयन मुरली, ग्रैंडमास्टर लियोन ल्यूक मेंडोंसा, अर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर सैमवेल टेर-सहक्यान, ग्रैंडमास्टर प्रणेश एम. और ग्रैंडमास्टर एस.एल. नारायणन। पहले बोर्ड पर कार्तिकेयन मुरली और लियोन ल्यूक मेंडोंसा आमने-सामने थे। दोनों ने अब तक अपनी सभी बाजियां जीती थीं और यह मुकाबला ड्रॉ रहा। दूसरे बोर्ड पर शीर्ष वरीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने काले मोहरों से खेलते हुए टेर-सहक्यान से अंक बांटे। यह अरविंद का लगातार दूसरा ड्रॉ रहा। अब वे 3 अंकों के साथ बढ़त से आधा अंक पीछे हैं।



डियर साप्ताहिक लॉटरी

जलपाईगुड़ी निवासी ने ₹1 करोड़ जीते



जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल से श्री राकेश दास ने **08.08.2026** को संपन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **79E 12773** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''आम लोगों की जिंदगी में एक छोटी सी लॉटरी टिकट कितना बड़ा बदलाव ला सकती है, यह हमें कुछ डियर लॉटरी टिकट खरीदने पर अच्छी तरह समझ में आ सकता है। मैंने पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीत लिए हैं और अब मैं आर्थिक रुप से आरामदायक स्थिति में हूं,'' विजेता ने कहा।

*विजेता का विवरण सरकारी वेबसाइट से लिया गया है।

स्वत्वाधिकारी एल.एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक रितेश वाजपेयी द्वारा 4,केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता -15 से मुद्रित एवं प्रकाशित। **संपादक : रितेश वाजपेयी।**

Phone: 2236-1572,4800 9234, E-mail-bharatmitral@gmail.com, Fax No. 2236-1572 **हवाई शुल्क:** अगरतला 6 रुपये,गुवाहाटी 5 रुपये, पोर्टब्लेयर 8 रुपये। प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधीन